हरिभूमि रायपुर भूमि

जान जोखिम में डाल रहे लोग

टोलाघाट स्थित शिव मंदिर तक बना नया ब्रिज अब तक आम जनता के लिए नहीं खोला गया है, लेकिन इसके नीचे खारुन नदी में नहाने वालों की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। तेज बहाव वाले पानी में डुबकियां लगाना लोगों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है, लेकिन इसके बावजूद बच्चे से लेकर युवा तक जान जोखिम में डालकर नदी में मस्ती करते नजर आ रहे हैं। सावन के महीने में मंदिर आने वाले श्रद्धालु ही नहीं, बल्कि आसपास के गांव और शहर से भी बड़ी संख्या में लोग सिर्फ नदी में नहाने और पिकनिक मनाने के लिए पहुंच रहे हैं। राजिम और महादेव घाट झूले की तर्ज पर बना रायपुर के महादेव घाट और राजिम त्रिवेणी संगम स्थित लक्ष्मण झूला की तर्ज पर ठकुराइन टोला घाट पर भी लक्ष्मण झूला बनाया गया है। करीब 230 मीटर लंबे इस झूले के निर्माण में करीब 31 करोड़ रुपए की लागत लगी है। इस झूले को तत्कालीन कांग्रेस शासनकाल में स्वीकृत किया गया था। तीन टॉवर से खड़ा किया गया यह झूला काफी आकर्षक है।

सावन के अंतिम सोमवार तक बंद रहेगा ब्रिज, लेकिन तेज बहाव में जानलेवा मस्ती जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर से 25 किलोमीटर दूर स्थित ठकुराइन टोलाघाट शिव मंदिर में इस सावन भी श्रद्धालुओं को दूर से ही भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने होंगे। मंदिर तक पहुंचने के लिए खारुन नदी पर बना नया ब्रिज निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, लेकिन प्रशासन ने इसे आम श्रद्धालुओं के लिए अब तक नहीं खोला है। इसके बाद भी लोग जान खतरे में डालकर नीचे तक पहुंच रहे हैं। तेज बहाव में नहा रहे हैं।

सावन के अंतिम सोमवार को पुल को खोलने की तैयारी की जा रही है, लेकिन इस पर अब तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। सावन के एक दिन पहले रविवार को बढ़ी संख्या में लोग यहां पहुंचे हुए थे। ⏭शेष पेज 14 पर

- लोगों के बीच धार्मिक एवं पिकनिक स्पॉट बन चुका है टोलाघाट का शिव मंदिर

6 महीने से ब्रिज बनकर तैयार

मंदिर तक पहुंचने के लिए 31 करोड़ रुपये से अधिक लागत से बना पुल 6 महीने पहले ही बनकर तैयार हो चुका है। पहले इसे महाशिवरात्रि पर चालू करने की योजना थी, लेकिन अब इसकी शुरुआत सावन के अंतिम सोमवार को करने की बात कही जा रही है। हर साल सावन के दौरान खारून नदी में तेज बहाव के कारण भक्त मंदिर तक नहीं पहुंच पाते थे। कई बार तो पुजारी भी दूर से ही पूजा करते थे, और तीन-चार महीनों तक मंदिर में नियमित पूजा ठप हो जाती थी। ब्रिज बनने से यह समस्या समाप्त हो सकती थी, लेकिन अब तक उपयोग में न आने से श्रद्धालु असमंजस और निराशा में हैं। कुछ स्थानीय ग्रामीण तैरकर मंदिर तक पहुंच रहे हैं, लेकिन बाहरी श्रद्धालु दूर से ही दर्शन कर लौट रहे हैं।

खबर संक्षेप

छेड़खानी के बाद बदमाश को लड़कियों ने जमकर धुना

रायपुर। गुढ़ियारी थाना के रामनगर चौकी क्षेत्र में छेड़खानी तथा मारपीट करने वाले एक बदमाश की लड़कियों ने मिलकर जमकर धुनाई की और उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया। युवती ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि वह अपनी बहनों के साथ घर जा रही थी, इस दौरान बाइक से आ रहे राजेंद्र विश्वकर्मा ने उसका हाथ पकड़कर खींच दिया। विरोध करने पर राजेंद्र युवती के साथ मारपीट कर भागने लगा। भागते हुए राजेंद्र अपनी बाइक से एक युवती का एक्सीडेंट कर गिर गया। इतने में सभी लड़कियों ने राजेंद्र को घेरकर पीटते हुए अपने मोहल्ले में ले जाकर घटना की जानकारी देकर पुलिस के सुपुर्द किया।

गुंडे-बदमाशों की थाने में लगी क्लास, दी हिदायत

रायपुर। गुढ़ियारी थाने की पुलिस ने एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह के निर्देश पर क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने रविवार को गुंडे, बदमाशों को थाने बुलाकर उनकी क्लास ली। थाने पहुंचे बदमाशों को पुलिस ने आपराधिक गतिविधियों में शामिल नहीं होने, शांतिपूर्वक सामाजिक जीवन जीने एवं नियमित रूप से थाने में हाजिरी देने हिदायत दी। थाने में स्थानांतरण पर आमद आए नए स्टाफ को बदमाशों की पहचान कराई गई एवं उन पर सतत निगाह रखने की हिदायत दी गई।

दोपहिया चोरी, बिलासपुर का शातिर गिरफ्तार

रायपुर। आमानाका पुलिस ने एक मजदूर की शिकायत पर बिलासपुर के एक शातिर को बाइक चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की बाइक जब्त की है। खेमराज चक्रधारी की शिकायत पर पुलिस ने संतोष कुमार दांडेकर को गिरफ्तार किया है। संतोष पिछले महीने 20 जून को बिलासपुर में नया बायपास मार्ग से खेमराज की बाइक चोरी कर भाग गया था।

शराब पीकर कार चलाते सात चालक धरे गए

रायपुर। एक्सीडेंट की घटनाओं पर अंकुश लगाने एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह के निर्देश पर पुलिस ने अभियान चलाकर शनिवार रात श्रीराम मंदिर के पास, फुंडहर चौक एवं तेलीबांधा थाना चौक में रात 11 बजे से 2 बजे तक बेरिकेडिंग कर चेकिंग अभियान चलाया। जांच के दौरान सात कार चालक नशे की हालत में वाहन चलाते पाए गए। ट्रैफिक पुलिस ड्रंक एंड ड्राइव के आरोप में सात कार चालकों की कार जब्त कर सोमवार को कोर्ट में पेश करेगी। साथ ही कार चालकों के लायसेंस निलंबन के लिए परिवहन विभाग को पत्र लिखेगी।

पूरी तरह से ठगने के बाद जालसाजों ने महिला से कहा- आपके साथ फ्रॉड हुआ है

'आपने मनी लांड्रिंग की है', निको की रिटायर्ड जीएम को डिजिटल अरेस्ट कर ठग लिए 2 करोड़ 83 लाख

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सायबर जालसाजों ने निको की महिला अधिकारी रिटायर्ड जीएम को डेढ़ माह के भीतर अलग-अलग दिनों में डिजिटल अरेस्ट कर 2 करोड़ 83 लाख रुपए ठग लिए। ठगी के शिकार होने के बाद महिला ने अपने रुपए लौटाने के लिए कहा तो जालसाजों ने महिला को उनके साथ ठगी होने की जानकारी दी। ठगे जाने की जानकारी मिलने के बाद महिला जालसाजों के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंची। 23 मई से 10 जुलाई के बीच जालसाजों ने महिला को ठगी का शिकार बनाया।

आमासिवनी सफायर ग्रीन निवासी 63 वर्षीय सोनिया हंसपाल ने ऑनलाइन ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया है कि उसके पास 21 मई को अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने अपने आपको एसबीआई कस्टमर केयर का कर्मी बताते हुए महिला को क्रेडिट कार्ड का अमाउंट बचे होने का झांसा देते हुए तत्काल भुगतान करने के लिए कहा। साथ ही जालसाज ने महिला को उनका नंबर दिल्ली पुलिस को ट्रांसफर करने का झांसा दिया।

जालसाजों के झांसे में आकर महिला ने 11 ट्रांजेक्शन में रुपए ट्रांसफर किए

झांसे में लेने के बाद आरटीजीएस से रकम ट्रांसफर

महिला को झांसे में लेने के बाद जालसाजों ने महिला को मनी लांड्रिंग के केस से बचने के उपाय बताए। इसके लिए महिला को जालसाजों ने आरबीआई से वेरिफाई करने के बाद रकम लौटाने का झांसा देते हुए उनके द्वारा बताए गए अकाउंट में आरटीजीएस से रकम जमा करने कहा। जालसाजों के झांसे में आकर महिला ने 23 मई को छह लाख 15 हजार रुपए जालसाजों के अकाउंट में ट्रांसफर कर दिए।

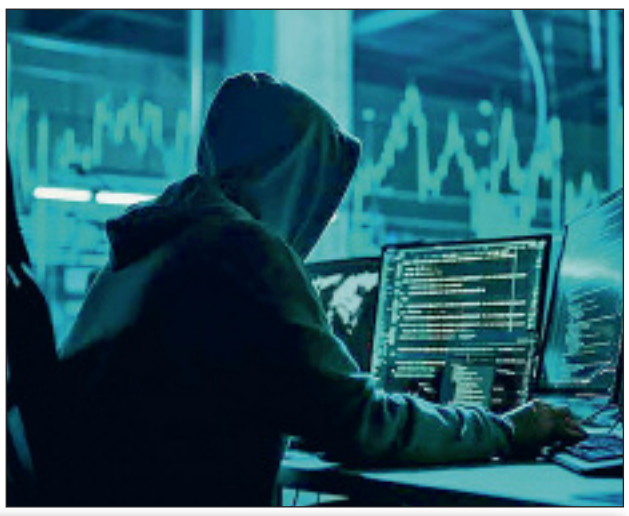

पांच मिनट बाद वीडियो कॉल

फोन डिस्कनेक्ट होने के पांच मिनट महिला के पास अन्य नंबर से वीडियो कॉल आया, जिसमें एक व्यक्ति पुलिस वर्दी में दिख रहा था। साथ ही दिल्ली सायबर विंग लिखा था। खाकी वर्दी तथा दिल्ली सायबर विंग देख महिला बुरी तरह से डर गई। इसके बाद जालसाजों ने वीडियो कॉल ऑफ कर वाइस कॉल से महिला से उसके मोबाइल की जानकारी मांगी।

मनी लांड्रिंग के केस में फंसाने की धमकी

ठगी करने जालसाजों ने महिला से उनकी प्रॉपर्टी के साथ बैंक डिटेल की जानकारी मांगी। महिला द्वारा जानकारी शेयर करने के बाद जालसाजों ने महिला को धमकाते हुए कहा, आपके खिलाफ मनी लांड्रिंग का केस दर्ज है। जालसाजों ने महिला को धमकाते हुए कहा कि आपके आधार कार्ड से अज्ञात लोगों ने बैंक अकाउंट खुलवाए हैं।

वाट्स एप मैसेज कर बार-बार लूटते रहे

बार-बार रकम ट्रांसफर होने के बाद जालसाजों ने महिला को बैंक शाखा तथा दिल्ली साइबर पुलिस बन कॉल करने के साथ लगातार मैसेज कर अलग-अलग अकाउंट में रुपए ट्रांसफर कराते गए। साथ ही महिला को रकम ट्रांसफर नहीं करने पर गिरफ्तारी तथा कार्रवाई का भय दिखाते रहे। महिला कुछ समझ पाती, इसके पहले जालसाज महिला के अलग-अलग बैंक अकाउंट में जमा पूंजी अपने अकाउंट में ट्रांसफर करा लिए। जालसाजों ने महिला के साथ सबसे बड़ी रकम 90 लाख रुपए अपने अकाउंट में ट्रांसफर कराई है।

वाट्स एप में मैसेज कर कहा आप ठगी के शिकार हो गए हो

महिला ने कुल 11 ट्रांजेक्शन में जालसाजों के अकाउंट में रुपए ट्रांसफर किए हैं। महिला ने जालसाजों के अकाउंट में आखिरी ट्रांजेक्शन 10 जुलाई को तीन लाख रुपए किया है। जलासाजों ने महिला को और रुपए ट्रांसफर करने कहा, तब महिला ने रुपए ट्रांसफर करना बंद कर दिया। महिला ने ट्रांसफर किए रुपए वापस मांगे तो जालसाजों ने महिला का कॉल रिसीव करना बंद कर दिया। इसके बाद 11 जुलाई को जालसाजों ने महिला को वाट्स एप से मैसेज कर उनके साथ ठगी होने की जानकारी दी।

एक और महिला को डिजिटल अरेस्ट कर साढ़े आठ लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

विधानसभा थाना के साथ टिकरापारा थाने में एक महिला शिक्षक के पति ने अज्ञात जालसाजों के खिलाफ मनी लांड्रिग का भय दिखाकर साढ़े आठ लाख रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। जालसाजों ने महिला को शिक्षक से रकम ट्रांसफर कराने के बाद उसे घटना की जानकारी पुलिस में देने पर परिवार सहित जान से मारने की धमकी दी। जालसाजों ने उत्तरप्रदेश, प्रयागराज स्थित नैनी के किसी रमाशंकर के बैंक अकाउंट में ठगी की रकम ट्रांसफर कराई है।

- जानकारी देने पर परिवार सहित जान से मारने की धमकी

दाबड़ा कालोनी निवासी विनोद कुमार शर्मा ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। विनोद ने पुलिस को बताया है कि नौ जुलाई को उसकी पत्नी मनोरमा के पास किसी अज्ञात व्यक्ति ने कॉल किया। कॉल करने वाले ने अपने आपको ईडी का अधिकारी बताते हुए महिला से कहा कि किसी नरेश गोयल के 536 करोड़ रुपए मनी लांड्रिग के केस में उसका नाम सामने आया है। फर्जी ईडी अधिकारी ने महिला को कहा कि उसके एसबीआई कचहरी ब्रांच के बैंक अकाउंट से पांच लाख रुपए लेकर मुंबई केनरा बैंक में खाता खोला गया है। उस खाते में 24 लोगों ने दो सौ करोड़ रुपए जमा किया है। जालसाजों ने महिला को डिजिटल अरेस्ट होने की जानकारी देते हुए सहयोग नहीं करने पर उसे रायपुर आकर फिजिकल अरेस्ट करने की धमकी दी।

गिरफ्तार होने से बचाने के नाम पर ठगी

जालसाजों ने महिला को फिजिकल अरेस्ट से बचने अपने बताए गए अकाउंट में आरटीजीएस से साढ़े आठ लाख रुपए ट्रांसफर कराए। रुपए ट्रांसफर कराने के बाद जालसाजों ने महिला को इस बात की जानकारी अपने किसी रिश्तेदार, परिचित तथा पुलिस को देने पर महिला शिक्षक तथा उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

स्मार्ट सिटी में आपका स्वागत है... सड़क-चौराहों पर मवेशियों का राज

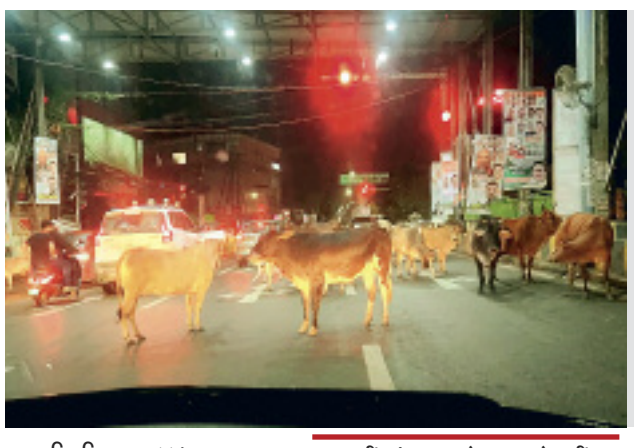

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- कहीं सांड मचा रहे उत्पात तो कहीं अंधेरे में दुर्घटना को न्योता दे रहे सड़क घेरकर बैठे मवेशी

रायपुर स्मार्ट सिटी में आपका स्वागत है... चमकते साइन बोर्ड से शहर की सुंदरता पर मुग्ध होने से पहले यहां बचकर निकलिए, क्योंकि सड़क और चौराहों पर मवेशियों का डेरा है। कहीं दो सांड की आपस में भिड़ंत देखने मिल जाए, तो हैरत नहीं, यहां तो कदम-कदम पर सड़क घेरकर राहगीरों और वाहन चालकों को दुर्घटना का न्योता दे रहे छुट्टे मवेशी घूम रहे हैं। कहने को तो नगर निगम ने दस जोन में मवेशी पकड़ने अभियान चला रखा है, पर हकीकत ये है कि ऑनलाइन शिकायत प्रणाली निदान 1100 में एक माह के भीतर ही 300 लोगों ने नगर निगम को कॉल कर मवेशी और कुत्ते पकड़ने गुहार लगाई। ये बात अलग है कि बाजार, सड़क, व्यस्ततम चौराहे मवेशियों से भरे पड़े हैं। ⏭शेष पेज 14 पर

केस 1

शंकरनगर चौक

शहर का पॉश इलाका और माननीयों के आने-जाने का प्रमुख मार्ग मवेशियों के झुंड से उबर नहीं पाया है। रोज शाम इस चौक की सड़क पर मवेशियों का झुंड जमा होने से सड़क यातायात बाधित होने की स्थिति आम है। वीआईपी मूवमेंट के अलावा दर्जनभर रिहाइशी कॉलोनियों के रहवासी इसी मार्ग से आना-जाना करते ⏭शेष पेज 14 पर

केस 2

पुरानी बस्ती से लाखेनगर चौक

अमीनपारा थाना पुरानी बस्ती से लिली चौक लाखेनगर मार्ग पर सांझ ढलते ही मवेशियों का झुंड सड़क पर आ धमकता है। इससे लोगों को आवागमन में दिक्कत होने के साथ ही दुर्घटना का अंदेशा लगा रहता है। रहवासियों का कहना है, इसी चौक पर सांडों की लड़ाई अक्सर देखने को मिलती है। निगम का काऊकैचर दस्ता इस मार्ग पर भूले-भटके ही नजर आता है। जबकि महामाई पारा, कुशालपुर क्षेत्र में अवैध रूप से डेयरियां संचालित हैं, जहां के पशुपालक सुबह-शाम मवेशी का दूध निकालने के बाद अपने पशुधन को सड़क पर सारी रात खुले में छोड़ देते हैं। इसकी शिकायत जोन-5 और निगम मुख्यालय में भी की गई, फिर भी सड़क पर मवेशियों की समस्या दूर नहीं हो पाई।

जहां शिकायत, वहां भेजेंगे काऊकैचर

बारिश के सीजन में सड़क पर मवेशियों के झुंड जमे होने के शिकायत ज्यादा मिलती है। विधानसभा, एयरपोर्ट मार्ग पर काऊकैचर दस्ता बढ़ाएंगे। साथ ही जहां-जहां शिकायतें मिल रही हैं, वहां दस्ता भेजा जाएगा। काऊकैचर दस्ता जोन लेवल पर हैंडल किया जा रहा है।

- **विनोद पांडे,** अपर आयुक्त स्वास्थ्य विभाग, नगि रायपुर

कोल घोटाला में फरार सूर्यकांत का चचेरा भाई नवनीत गिरफ्तार

- नवनीत तिवारी सूर्यकांत के कहने पर रायगढ़ में वसूली कर रकम पहुंचाने का काम करता था
- नवनीत के खिलाफ कोर्ट से स्थायी वारंट जारी किया था

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कोल घोटाला मामले में लंबे अरसे से फरार चल रहा सूर्यकांत तिवाारी कं चचेरं भाई नवनीत तिवारी को ईओडब्लू ने गिरफ्तार किया है। नवनीत को कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल किया गया है। नवनीत वर्ष 2022 से फरार चल रहा था। नवनीत के खिलाफ कोर्ट ने स्थायी वारंट भी जारी किया था।

ईओडब्लू के अनुसार नवनीत पर अवैध कोल लेवी वसूली और अवैध धनराशि के निवेश की प्लानिंग में संलिप्तता पाई गई है। नवनीत वर्ष 2022 से ईडी की छापेमारी के बाद से फरार चल रहा था। कोर्ट ने स्थायी गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया था। इसके बाद ईओडब्लू ने उसकी गिरफ्तारी की है। कोयला घोटाले में मास्टरमाइंड सूर्यकांत तिवारी अभी जेल में बंद है, जबकि निलंबित आईएएस रानू साहू, समीर विश्नोई, सौम्या चौरसिया, रजनीकांत तिवारी, वीरेंद्र जायसवाल और संदीप नायक को बेल मिल गई है, जो छत्तीसगढ़ से बाहर हैं। आरोप है कि नवनीत तिवारी सूर्यकांत के कहने पर रायगढ़ में कोल लेवी वसूली कर अपने भाई तथा अन्य लोगों तक रकम पहुंचाने का काम करता था।

कोल घोटाले की जांच ईडी-ईओडब्लू के बाद अब सीबीआई के सुपुर्द

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य के चर्चित 570 करोड़ रुपए के कोल घोटाले की जांच दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम (डीएसपीई एक्ट) की धारा-6 के तहत सीबीआई से कराने राज्य शासन ने विधिवत स्वीकृति दे दी। जांच एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 से 2022 के बीच छत्तीसगढ़ में कोल परिवहन के नाम पर 570 करोड़ रुपए की अवैध वसूली की गई। हर टन कोयले पर 25 रुपए की दर से यह वसूली की जाती थी।

- सभी आईजी, एसपी को सीबीआई को दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश

कोल घोटाले का मास्टरमाइंड कारोबारी सूर्यकांत तिवारी को माना जा रहा है। ईडी के अनुसार, सूर्यकांत तिवारी ने अफसरों, ट्रांसपोर्टरों और दलालों की मदद से यह पूरा तंत्र खड़ा किया था। सूर्यकांत तिवारी इस वक्त न्यायिक हिरासत में है और उसकी जमानत याचिकाएं कई बार खारिज हो चुकी हैं। रविवार को सूर्यकांत के भाई नवनीत तिवारी को ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तार किया है। गृह विभाग की फाइल (क्रमांक एफ नो. 4-10/होम-सी/) और पुलिस मुख्यालय के सीआईडी लीगल सेक्शन ने सभी रेंज आईजी और जिलों के एसपी को विशेष निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों में कहा गया है कि सीबीआई को जांच में सहयोग करें और सभी दस्तावेज तत्काल उपलब्ध कराएं।

ईडी ने कोर्ट में दायर किया था परिवाद

कोल घोटाले की जांच सीबीआई से कराने ईडी ने दो वर्ष पूर्व 14 अगस्त 2023 को बिलासपुर हाईकोर्ट में परिवाद दायर किया था। ईडी ने याचिका में आरोप लगाया था कि उन्होंने पीएमएलए की धारा 66 के तहत राज्य सरकार को घोटाले से जुड़े दस्तावेज सौंपे थे, मगर कार्रवाई नहीं हुई। ईडी ने यह भी कहा था कि राज्य के आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो और एसीबी, ईओडब्ल्यू में अधिकांश अधिकारी राज्य सरकार के अधीन हैं, जिससे निष्पक्ष जांच पर सवाल खड़े होते हैं।

सावन लगते ही बारिश पर ब्रेक, अगले चार दिनों तक संभावना बेहद कम

रायपुर। आषाढ़ के अंतिम दिनों में झमाझम रूप से बरसने वाले पानी पर सावन लगते ही ब्रेक लग गया है। मानसून द्रोणिका के सामान्य से दक्षिण की ओर झुकने की वजह से अगले चार दिनों तक वर्षा की संभावना कम है। शुक्रवार से बारिश की गतिविधि कम होने की वजह से उमसभरी गर्मी ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। बंगाल की खाड़ी में तैयार होने वाला सिस्टम सही रास्ते पर चलता है, तो वर्षा की वापसी होगी नहीं तो ब्रेक की अवधि और ⏭शेष पेज 14 पर

- खाड़ी में तैयार हो रहे सिस्टम पर टिकी निगाह

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या
अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न
नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

विधायक ही सुरक्षित नहीं तो आम आदमी का क्या होगा

रायपुर। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू ने प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में जब विधायक ही सुरक्षित नहीं तो आम आदमी सुरक्षित कैसे होगा। छत्तीसगढ़ के आरंग विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक गुरु खुशवंत साहेब की गाड़ी पर 12 जुलाई को बेमेतरा जिले में अचानक पत्थरबाजी की गई, यह सुरक्षा व्यवस्था की बड़ी चूक है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में कानून व्यवस्था फेल हो चुकी है।

शिवसेना निकालेगी बाइक रैली

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर शिवसेना कार्यकर्ता और पदाधिकारियों द्वारा बाइक रैली स्टेशन चौक हनुमान मंदिर से संजय मार्केट गुरुनानक चौक, एमजी रोड शारदा चौक, तात्यापारा, पुरानी बस्ती, लाखेनगर, जोन क्रमांक 5, आश्रम चौक, राजकुमार कॉलेज होते हुए शिवसेना प्रदेश कार्यालय चौबे कॉलोनी में समापन होगी। इसके बाद शिवसेना के प्रदेश प्रमुख एवं वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता को संबोधित कर कार्यकर्ता को आगामी कार्ययोजना, छत्तीसगढ़ हित, आमजन के हित के लिए उत्साहित करेंगे।

खाना फेंकने के विवाद पर मारपीट, पांच गिरफ्तार

रायपुर। खम्हारडीह थाना क्षेत्र में बासी खाना फेंकने के विवाद पर मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ हत्या की कोशिश सहित अन्य गंभीर धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। भावना नगर निवासी राजेंद्र तिवारी की शिकायत पर पुलिस ने संजय चौधरी, यासीन शेख उर्फ लाल सोनू, राघव अग्रवाल, इरफान सिद्दिकी तथा अनस अतीक को गिरफ्तार किया है। राजेंद्र ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उसके घर के सामने नाली में संजय चौधरी बासी खाना फेंक रहा था।

मना करने पर संजय ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर घुसकर राजेंद्र तथा उसके बेटे के साथ मारपीट की। मारपीट की घटना में तीन लोग घायल हुए हैं।

भगवान जगन्नाथ को लेकर राहुल ने झूठ बोला, उनकी दुर्गति तय

रायपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जगन्नाथ भगवान की रथयात्रा को अडानी परिवार के

लिए रोक दिए जाने वाले बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा, भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को लेकर राहुल गांधी ने झूठ बोला है। इस झूठ के कारण राहुल गांधी की दुर्गति होना तय है। उन्होंने कहा, भगवान पर टिप्पणी करने वाले ऐसे सनातन विरोधी का सर्वनाश हो जाना चाहिए। देख लेना अगले रथयात्रा तक कैसे दुर्गति होगी। उन्होंने कहा, भगवान जगन्नाथ और उनकी रथयात्रा को लेकर झूठ बोलने का ऐसा दुस्साहस न पहले कोई कर पाया, न आज कर पाता है और न ही भविष्य में कोई कर पाएगा। रायपुर जगन्नाथ मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष पुरंदर मिश्रा ने संवाददाताओं से चर्चा में कहा, राहुल गांधी बस आलू से सोना बनाएं, भगवान पर टिप्पणी न करें।

आश्वासन के बाद भी हल नहीं हुई आवास की समस्या, हास्टल बनने लंबा वक्त

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

विरोध-प्रदर्शन के बाद मिले आश्वासन के बाद भी चिकित्सा छात्रों की आवास समस्या का कोई ठोस हल नहीं निकल पाया है। हास्टल का निर्माण पूरा होने में काफी वक्त है, तब तक छात्रों को आवास के लिए खुद पैसे खर्च करने होंगे। कालेज प्रबंधन क्षमता के हिसाब से नये भवन की तलाश कर रहा है, जो अब तक उसे नहीं मिल पाया है।

प्रदेश के शासकीय मेडिकल कालेजों में पढ़ाई करने वाले छात्र आवास समस्या से जूझ रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी रायपुर कालेज के छात्रों को है जिन्हें पढ़ाई के दौरान आसपास के पॉश इलाके में किराये का मकान लेकर रहना पड़ रहा है। छात्रों का कहना है कि कालेज से दूर रहने पर उन्हें आवाजाही पर अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है।

जेब से किराया भरकर छात्र हो रहे हलाकान, प्रबंधन नहीं कर सका इंतजाम

किराया भत्ता पर संशय

हास्टल की सुविधा मिलने तक छात्रा को आवास भत्ता दिए जाने की बात सामने आई थी। इस बारे में चिकित्सा शिक्षा संचालनालय से जुड़े अफसरों के निर्देशों का हवाला दिया गया था। हालांकि कालेज प्रबंधन का कहना है कि इस बारे में उन्हें किसी तरह का निर्देश अब तक नहीं मिला है।

गर्ल्स हास्टल पर भी लोड

चिकित्सा छात्रों का कहना है कि चिकित्सा छात्र जहां आवास के लिए भटक रहे हैं वहीं छात्राएं छोटे कमरों में कई लोग रहकर पढ़ाई करने के लिए मजबूर है। पिछले दिनों हास्टल के एक कमरे की तस्वीर भी सोशल मीडिया में वायरल हुई थी जिसमें एक हॉल में 6-6 बेड लगे हुए थे।

वहीं देवेन्द्र नगर जैसे इलाके में रहने के लिए उन्हें पांच से सात हजार रुपये तक खर्च करना पड़ता है। छात्रों द्वारा इसे लेकर कालेज प्रबंधन द्वारा आवास सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कई बार ज्ञापन दिया जा चुका है। पिछले दिनों उनके द्वारा इसे लेकर बड़ा प्रदर्शन भी किया गया था। प्रदर्शन के दौरान उन्हें शीघ्र की समस्या का समाधान करने का आश्वासन भी मिला था, मगर अब तक इस बारे में कोई ठोस पहल नहीं की गई है। कालेज प्रबंधन से जुड़े चिकित्सकों का कहना है कि उनके द्वारा छात्रावास के हिसाब से बड़े कमरे की तलाश की जा रही है, जो अब तक नहीं मिला है। शासन कालेज परिसर में हास्टल का निर्माण करवा रहा है, मगर कार्य इतना धीमा है कि इसके पूरे होने तक पिछले साल एडमिशन लेने वाले छात्रों की पढ़ाई पूरी हो जाएगी।

भाजपा-कांग्रेस ने बनाई विधानसभा सत्र की रणनीति

महंत ने कहा-आक्रामक तरीके से उठाएंगे मुद्दे केदार बोले- कांग्रेस लाठी भी रख ले और चश्मा भी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

मानसून सत्र को लेकर कांग्रेस विधायक दल की बैठक आज कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में हुई। कांग्रेस विधायकों से कहा गया कि सदन में आक्रामक तरीके से मुद्दे उठाएं। विधायक सदन में उपस्थित रहकर सरकार को हर मुद्दे पर घेरेंगे। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने बताया कि सरकार के खिलाफ मुद्दे ज्यादा, लेकिन सत्र की अवधि कम है। फिर भी हम जनता से जूड़े मामले सदन में उठाएंगे। वहीं भाजपा विधायक दल की बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस अपनी लाठी भी रख ले और चश्मा भी। हम विपक्ष का सामना करेंगे। कांग्रेस की तरह भागने वालों में से नहीं हैं।

भाजपा विधायक दल के नेता मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी विधायकों से कहा कि सरकार कामकाज को लेकर सदन में अपना पक्ष मजबूती से रखें। सदन में विपक्ष के उठाए जाने वाले मुद्दों पर तार्किक ढंग से अपना पक्ष रखें। विधानसभा में जिन कार्यों को लेकर फोकस करना है उस पर भी विधायकों को ब्रीफ किया। भाजपा विधायक दल की बैठक में संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और अरूण साव ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने संगठन के कार्यों पर विपक्ष के आक्षेप का जवाब देने कहा। संगठन की ओर पवन साय और प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने विपक्ष के सवालों का जवाब देने की विधायकों को पूरी तैयारी से आने कहा। भाजपा के सभी विधायकों ने बैठक में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री निवास में बैठक के बाद रात्रि भोज का भी आयोजन किया गया था। मानसून सत्र के पहले भाजपा-कांग्रेस ने अपने विधायकों के साथ रणनीति बनाई।

भाजपा, कांग्रेस के हर सवाल का जवाव देने दल के सचेतक सुशांत शुक्ला और वरिष्ठ विधायकों को सचेत किया है। मुख्यमंत्री निवास में हुई बैठक के दौरान कांग्रेस शासनकाल में हुए शराब घोटाले के मुद्दे को लेकर सदन में भाजपा फिर एक बार उठाकर अब तक की गई कार्रवाई पर प्रकाश डालेगी। सत्र के दौरान कई मुद्दों पर दोनों पक्षों में बहस में पूरी तैयारी से आने के लिए विधायकों को कहा गया है।

बिजली और आदिवासियों का मुद्दा गुजेंगा: महंत

इधर राजीव भवन में कांग्रेस विधायक दल की बैठक नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सभी विधायकों की बातों को सुना गया है और तमाम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा, विधानसभा सत्र के दौरान आक्रामक तरीके से मुद्दों को उठाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने बताया कि बिजली बिलों में बढ़ोतरी, सुरक्षा से जुड़े मसले और आदिवासियों के मुद्दों को लेकर लड़ेंगे। महंत ने कहा कि कांग्रेस के सभी विधायक पूरी तैयारी के साथ विधानसभा सत्र में सरकार को घेरेंगे। साथ ही कहा कि फर्जी धान खरीदी के चलते करोड़ों का नुकसान हुआ है यह मुद्दा भी उठायेंगे। सत्र में हर दिन एक स्थगन प्रस्ताव लाने का निर्णय लिया गया।

कांग्रेस के 21 विधायक हुए शामिल

विधायक दल की बैठक में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधायक भोलाराम साहू, लालजीत सिंह राठिया, लखेश्वर बघेल, यशोदा वर्मा, देवेन्द्र यादव, द्वारिकाधीश यादव, दिलीप लहरिया, उत्तरी गणपत जांगडे, शेषराज हरबंश, अटल श्रीवास्तव, ब्यास कश्यप, राघवेन्द्र सिंह, चतुरी नंद, फूलसिंह राठिया, कविता प्राणलहरे, संदीप साहू, ओंकार साहू, इंद्र साव, हर्षिता स्वामी बघेल, कांग्रेस विधायक दल सचिव अमित पांडे, संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला, पीसीसी वरिष्ठ प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी उपस्थित थे।

बिजली दर वृद्धि के खिलाफ कल से कांग्रेस का राज्यस्तरीय आंदोलन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बिजली दरों में हुई वृद्धि के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 15 जुलाई को राज्यव्यापी आंदोलन की घोषणा की है। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि 15-17 जुलाई तक पूरे प्रदेश में कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन करेंगे। ब्लॉक स्तर पर जेई, एई दफ्तरों का घेराव और 22 जुलाई को विद्युत कंपनी के जिला स्तरीय कार्यालय घेरे जाएंगे। उन्होंने कहा, सरकार ने जनता के जेब में डाका डालने का काम किया है। बिजली दरों में वृद्धि पर श्री बैज ने पूछा कि छत्तीसगढ़ सरप्लस स्टेट है, फिर महंगी दरों पर बिजली क्यों? सरकारी विभागों पर बिजली का हजारों करोड़ का बिल बकाया है। सरकार वसूल नहीं कर पा रही है, गरीबों की आमदनी पर डाका डाल रही है। दीपक बैज ने डीएपी और नैनो खाद पर जारी सरकारी विज्ञापन मामले में सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि एक ओर पर्याप्त स्टॉक का विज्ञापन जारी हुआ। दूसरी तरफ कल ही खाद खरीदी का टेंडर जारी किया गया। जरूरत अभी है, कब खरीदी होगी, कब किसान को मिलेगी। सभी सहकारी केंद्र में कितना स्टॉक, सरकार आंकड़े जारी करें।

मशरूम फैक्ट्री की बदबू ने किया जीना हराम

रायपुर। मशरूम फैक्ट्री से निकलने वाली बदबू और सार्वजनिक जगहों पर डाले जा रहे अपशिष्ट से ग्रामीण बेहद परेशान हैं। इसके अलावा फैक्ट्री में मजदूरों को बंधक बनाए जाने और उन्हें दी गई यातनाओं के खिलाफ शनिवार को जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने फैक्ट्री का मुआयना कर मजदूरों से चर्चा की। चर्चा के दौरान ग्रामीणों ने बताया फैक्ट्री द्वारा गांव की सार्वजनिक जगहों पर फेंके जा रहे अपशिष्ट की समस्या से भी अवगत कराया, लेकिन फैक्ट्री प्रबंधन ने इस बात को नकारते हुए कहा कि कोई भी अपशिष्ट फेंका नहीं जाता, बल्कि पॉवर प्लांट में सप्लाई किया जाता है। नाराज ग्रामीणों ने प्रतिनिधिमंडल को पीकरीडीह स्थित गोठान भूमि और गांव के सार्वजनिक निस्तार की जगह दिखाई। फैक्ट्री प्रबंधन की इस गंभीर लापरवाही और इस पर कार्यवाही के लिए सोमवार को कलेक्टर और पर्यावरण संरक्षण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व राज्यसभा सांसद छाया वर्मा, आलोक शुक्ला, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी खरोरा के अध्यक्ष सौरभ मिश्रा, भावेश बघेल, सहित पीकरीडीह, बंगोली सहित आसपास के ग्रामीण मौजूद रहे।

लेजर तकनीक से पाइल्स का इलाज

रायपुर। पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मृति चिकित्सालय के जनरल सर्जरी विभाग में लेजर इन बिनाइन प्रोक्टोलॉजी विषय पर महत्वपूर्ण लाइव वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में आधुनिक चिकित्सा तकनीक को व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत कर रोगियों को राहत दिलाने का उद्देश्य सफलतापूर्वक साकार किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष जनरल सर्जरी डॉ. मंजू सिंह ने किया। विशेष रूप से उपस्थित रहे चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने बताया कि यह तकनीक पारंपरिक पद्धति की तुलना में कम पीड़ादायक है, रक्तस्राव न्यूनतम होता है और रोगी जल्द स्वस्थ होकर अपने सामान्य जीवन में लौट सकते हैं। इस दौरान बिनाइन प्रोक्टोलॉजिकल बीमारियों का लेजर तकनीक से ऑपरेशन किया गया तथा लेजर की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में डॉ. संदीप चंद्राकर, डॉ. अमित अग्रवाल, डॉ. नरेंद्र नरसिंह, डॉ. एसएल निराला, डॉ. राजेन्द्र रात्रे, डॉ. सरिता दास, डॉ. मनीष साहू, डॉ. सौमित्र दुबे, डॉ. अंजली जालान एवं डॉ. प्रेक्षा जैन उपस्थित रहे।

जन चौपाल में पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने कहा, भूमि पूजन शीघ्र करूंगा

दीक्षा नगर गुढ़ियारी में 18 करोड़ की लागत के होगा पानी टंकी का निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

गुढ़ियारी के दीक्षा नगर में लोगों की प्यास बुझाने 18 करोड़ रुपये की लागत से नई पानी टंकी बनेगी। रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने रविवार को जनचौपाल में बताया कि नई पानी टंकी निर्माण के लिए भूमिपूजन जल्द करूंगा। श्री मूणत ने संत रविदास वार्ड और ठक्करबापा वार्ड में जन चौपाल आयोजित कर नागरिकों की समस्याएं सुनीं।

इस अवसर पर उन्होंने अपने डेढ़ साल के कार्यकाल का लेखाजोखा जनता के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यह पूरा क्षेत्र महादेवघाट से लेकर सरोना तक शिव की नगरी है, जहां सावन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु कांवड़ लेकर आते हैं। शिवभक्तों की सुविधा, सुरक्षा और भावनाओं का विशेष ध्यान रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। जन चौपाल में बिजली, जल, नाली, सड़क, सफाई, स्कूल, शौचालय, पेंशन, राशन जैसी कई समस्याएं सामने आईं, जिन पर विधायक ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को

विप्र नगर रायपुरा मोहल्ला समिति ने सौंपा ज्ञापन

विप्र नगर रायपुरा मोहल्ला समिति के सचिव बीके शुक्ला सहित पदाधिकारियों ने पश्चिम विधायक राजेश मूणत को जन चौपाल में ज्ञापन सौंपा। सरोना स्थित पार्षद कार्यालय में कालोनी की समस्या जिसमे मुख्य रूप से बिजली के पोल, सड़क नाली संबंधी समस्याओं से अवगत कराया गया। विधायक राजेश मूणत ने शीघ्र उचित निराकरण करने आश्वासन दिया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष चन्द्र कुमार शर्मा सचिव बीके शुक्ला कोषाध्यक्ष तरुण श्रीवास बिसेन सहित बड़ी संख्या में कॉलोनी के लोग शामिल हुए।

HEALTH TOWN

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
रखें आपके सेहत का ख्याल
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953 एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmultispecialityhospital@gamil.com

आयुर्वेद संजीवनी क्लीनिक
सेक्स, नामर्द, नपुंसकता, स्वप्न दोष, शीघ्रपतन, वैवाहिक जीवन की कमजोरी, आयुर्वेदिक दवा द्वारा शर्तिया इलाज, दवा की पहली खुराक से असर शुरू
त्वचा रोग, चर्म रोग, खाज-खुजली का आयुर्वेदिक इलाज | बवासीर, भगंदर का शर्तिया इलाज किया जाता है
डॉ. संजीव नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. गेट, धमतरी रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर 9770705718

रामकथा आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस. (कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ) मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

मेल इंफर्टीलिटी
शीघ्रपतन, लिंग में तनाव की कमी वीर्य की कमी, वेरीकोसील फायमोसिस का ईलाज मेडिसीन शॉक वेव थैरेपी पी शॉट एवं सर्जरी द्वारा
डॉ. वैभव राज सिंह एमबीबीएस एम.एस.- लेजर व दूरबीन सर्जन (MBBS, MS Surgery) Laporoscopic Laser Surgeon Call 9890716410
लेजर पाईल्स क्योर
पाल्स, फिशर, फिस्टुला, वेरीकोस वेन्स, पाईलोनाईडल साइनस का लेजर द्वारा सर्जरी, 24 घंटे में छुट्टी, बिना चीरा सभी दूरबीन व लेजर सर्जरी
श्री राम शांति मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल बड़ी हाथी मैदान के सामने, श्रीनगर, गुढ़ियारी, रायपुर
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

गायत्री परिवार ने निकाली अखंड ज्योति कलश यात्रा

रायपुर। अखंड दीप प्राकट्य शताब्दी वर्ष एवं वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी वर्ष 2026 के पावन अवसर पर गायत्री परिवार द्वारा दिव्य अखंड ज्योति कलश यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस यात्रा की शुरुआत संतोषी नगर स्थित गायत्री प्रज्ञापीठ से श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में की गई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और गायत्री परिवार के सदस्य शामिल हुए। यात्रा ने दुर्गा पारा, लक्ष्मी नगर, प्रगति विहार कॉलोनी, कृष्णा नगर होते हुए मठपुरैना स्थित त्रिमूर्ति मंदिर तक भ्रमण किया। त्रिमूर्ति मंदिर परिसर में दीपयज्ञ का आयोजन किया गया।

गायत्री प्रज्ञापीठ के कोमल देवांगन ने बताया कि इस कार्यक्रम में आरके साहू, एचएल साहू, दीनानाथ साहू, हरीराम साहू, दिलीप निषाद, बेनीराम साहू, सीताराम साहू, कृष्णा गजेंद्र, रंजना साहू, भारती ठाकुर, अर्चना गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

समक्ष-श्रीमान पब्लिक नोटरी महोदय नवापारा तहसील नवापारा जिला रायपुर

सर्टिफिकेट गुमा शपथपत्र

शिवकुमारी साहू पिता स्व.श्री प्रेमलाल साहू, उम्र 57 वर्ष, निवासी ग्राम पटेवा, तहसील गोबरा नवापारा, जिला रायपुर छ.ग.

शपथकर्ती शपथपूर्वक निम्न कथन करती है:-

1. यह कि शपथकर्ती का नाम, पिता का नाम, पता, उम्र, उपरोक्तानुसार है।
2. यह कि शपथकर्ती के द्वारा सत्र 1991-1992 में कक्षा ए.एन.एम. प्रशिक्षण डिप्लोमा की परीक्षा शासकीय प्रशिक्षण संस्थान धमतरी में नियमित छात्रा के रूप में सम्मिलित हुआ जिसका परिणाम उत्तीर्ण रहा जिसके पश्चात उनके नाम से अंक सूची प्रदान किया गया था। जिसका अनुक्रमांक 700 है।
3. यह कि शपथकर्ती के द्वारा उत्तीर्ण किया गया कक्षा ए.एन.एम. प्रशिक्षण डिप्लोमा की परीक्षा की अंक सूची प्रदान किया गया था जो कि दिनांक 01/08/2016 को निवास स्थान पटेवा में कहीं गुम हो गया तथा काफी तलाश करने के बाद भी नहीं मिल रहा है जिसके कारण काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा हैं।
4. यह कि शपथकर्ती के द्वारा पूर्व में आरक्षी केंद्र गोबरा नवापारा सूचना दर्ज कराया गया था जिसकी प्रति शपथकर्ती के पास है।
5. यह कि शपथकर्ती अपने नाम से जारी उक्त कक्षा ए.एन.एम. प्रशिक्षण डिप्लोमा की अंक सूची की **द्वितीय प्रति** प्राप्त करना चाहती है। जिस संबंध में शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ती

-:सत्यापन:-

मैं उपरोक्त शपथकर्ती सत्यापित करती हूं कि शपथपत्र की कंडिका 01 से 05 तक मे लिखित समस्त बाते सत्य व सही है जिस पर आज दिनांक 03/01/2024 को स्थान नवापारा में अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित किया।

शिवकुमारी
सत्यापकर्ती

खबर संक्षेप

कट्टा बरामद युवक गिरफ्तार

धरसींवा। धरसींवा पुलिस ने शुक्रवार देर रात एन एच 30 पर ग्राम सड्डू के पास एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी मुकेश नायक (24), निवासी सिमगा, शंकर नगर वार्ड नंबर 05, बलौदाबाजार, अपने कमर में एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस छिपाकर राहगीरों को डरा धमका रहा था। पुलिस के अनुसार, 12 जुलाई, को रात्रि पेट्रोलिंग के दौरान सउनि. कौशल मिर्झा को मुखबिर से सूचना मिली कि सड्डू प्रतिक्षालय के पास एक व्यक्ति काले रंग की टी-शर्ट पहने हुए लोगों को कट्टा दिखाकर डरा रहा है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने राहगीरों ओंकार साहू और हरिशंकर निर्मलकर को साक्षी बनाकर मौके पर दबिश दी। पुलिस ने मुकेश नायक को घेरकर पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से एक देसी कट्टा (पिस्टल) और 9 एमएम का एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। मुकेश नायक हथियार रखने का कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका। पुलिस ने आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने गुरु पूर्णिमा मनाया

तिल्दा-नेवरा। बीएनबी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तिल्दा नगर द्वारा गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी हीरानंद वाधवा एवं मुख्य वक्ता के रूप में घनश्याम सोनी छत्तीसगढ़ सह प्रांत कार्यवाहक मुख्य रूप से उपस्थित थे। समाजसेवी हीरानंद वाधवा ने संघ के कार्यक्रम की प्रशंसा की। वहीं मुख्य वक्ता घनश्याम सोनी ने संघ द्वारा आयोजित गुरु पूर्णिमा एवं संघ के कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर मंत्री टंक राम वर्मा विशेष रूप से उपस्थित हुए व स्वयं सेवकों के साथ नीचे जमीन पर बैठे रहे। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष चंद्र कला वर्मा, भाजपा नेता राम पंजवानी, भाजपा के शहर महामंत्री सौरभ जैन, पवन अग्रवाल , सभापति ईश्वर यदु, सतीश निषाद, नरसिंह वर्मा, गोपाल वर्मा, दिलीप शर्मा, स्वप्निल श्रीवास्तव, डॉक्टर खुमान वर्मा, विजय ठाकुर, यशवंत सेन, सहित बड़ी संख्या में संघ के कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

बिना मान्यता प्राप्त स्कूलों में एडमिशन पर रोक का साहू ने किया स्वागत

आरंग। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्यभर में बिना मान्यता प्राप्त

स्कूलों में नए शैक्षणिक सत्र से प्रवेश पर रोक लगाने के फैसले का जनपद पंचायत आरंग के सभापति कृषणा महेश साहू ने जोरदार स्वागत किया है। उन्होंने इसे बच्चों के भविष्य की सुरक्षा व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के हित में एक ऐतिहासिक निर्णय बताया। साहू ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में शुद्धता और पारदर्शिता लाने के लिए यह कदम अत्यंत आवश्यक था। वर्षों से कुछ निजी संस्थाएं बिना आवश्यक शैक्षणिक मान्यता के स्कूल संचालित कर रही थीं, जिससे विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा था। शासन के इस निर्णय से ऐसे स्कूलों पर रोक लगेगी और अभिभावकों को अब मान्यता प्राप्त व नियमों के अनुरूप संचालित विद्यालयों में ही बच्चों का भविष्य संवारने का अवसर मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते वे स्वयं भी क्षेत्र में चल रहे ऐसे स्कूलों की निगरानी करेंगे और शिक्षा विभाग को सहयोग करते हुए किसी भी अनियमितता की जानकारी देंगे। साथ ही कृष्ना महेश साहू ने आमजन से अपील की कि वे भी जागरूक बनें और बच्चों का दाखिला केवल मान्यता प्राप्त विद्यालयों में ही कराएं।उन्होंने आगे कहा कि यह निर्णय राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक और दृढ़ कदम है।

आक्रोश : तीन माह पूर्व आंधी में टोल की उड़ गई छत फिर भी जारी है टोल वसूली

टोल प्लाजा पर अवैध वसूली के खिलाफ भड़का जन आक्रोश, एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

- तरपोंगी टोल प्लाजा पर एनएसयूआई का हल्ला बोल
- अवैध वसूली और लापरवाही को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना

राजधानी रायपुर से 30 किलो मीटर स्थित तरपोंगी टोल प्लाजा इन दिनों भ्रष्टाचार और मनमानी का अड्डा बन गया है। रविवार को एनएसयूआई व कांग्रेस के नेतृत्व में छात्रों, किसानों और वाहन चालकों ने टोल प्लाजा का घेराव कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग घंटों बाधित रहा। प्रदर्शनकारियों ने टोल प्लाजा पर अवैध वसूली, मनमानी और भाजपा सरकार की उदासीनता पर गंभीर आरोप लगाए।इस दौरान भारी पुलिस बल की तैनाती रहा।

विरोध प्रदर्शन का मुख्य कारण तीन माह पूर्व आई भीषण आंधी-तूफान में टोल प्लाजा की छत का उड़ जाना था। करोड़ों की लागत से बना लोहे का शेड सड़क किनारे बिखरा पड़ा है, लेकिन इसके बावजूद टोल वसूली धड़ल्ले से जारी है। एनएसयूआई ने इस स्थिति को अंधेर नगरी, चौपट राजा की कहावत से जोड़ा, क्योंकि बिना बुनियादी सुविधाओं और कर्मचारियों की सुरक्षा की परवाह किए बिना टोल कंपनी यात्रियों की जेबें खाली कर रही है। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए, प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओबीसी विभाग) के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष भावेश बघेल ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार आने के बाद से टोल प्लाजा पर अवैध वसूली और स्थानीय लोगों के साथ दुर्व्यवहार बढ़ गया है। बघेल ने कहा कि शिकायतें दर्ज होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। बघेल ने यह भी सवाल उठाया कि दो महीने बीत जाने के बाद भी टोल प्लाजा की मरम्मत क्यों नहीं की गई, जबकि टोल वसूली जारी है। उन्होंने रात में महिला कर्मचारियों को नाइट शिफ्ट में बुलाए जाने पर भी गहरी चिंता व्यक्त की, और कहा कि प्रदेश का मौजूदा माहौल महिलाओं के लिए असुरक्षित है। बघेल ने भाजपा पर किसान विरोधी होने का भी आरोप लगाया, क्योंकि छोटे मालवाहक वाहनों और छात्रों से भी अवैध टोल वसूला जा रहा है।

टोल नियमों का उल्लंघन और स्थानीय निवासियों की परेशानी

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि यह स्थिति भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एन एच ए आई के नियमों का खुला उल्लंघन है, जो यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचे की बात करते हैं। छत का ढहना असुरक्षित माहौल पैदा करता है, और ऐसी स्थिति में पूरी दर से टोल वसूलना सरासर अन्याय है। इसके अलावा, आसपास के निवासियों को टोल टैक्स में छूट पाने के लिए भी जद्दोजहद करनी पड़ रही है। टोल कंपनी का कहना है कि बिना पास के कोई छूट नहीं मिलेगी, जिससे स्थानीय लोगों को आए दिन शहर आने-जाने में परेशानी हो रही है।

इनकी रही उपस्थिति

ब्लॉक कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष दुर्गेश वर्मा, एन एस. यू आई. जिला ग्रामीण अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी, एन एस यू. आई. प्रदेश उपाध्यक्ष अमित शर्मा, सरपंच धरसींवा साहिल खान ,सरपंच, सगनी रजत कश्यप, पूर्व पार्षद आकाश दीप शर्मा, एन. एस. यू. आई जिला उपाध्यक्ष संयम सिंह ठाकुर, जनपद सदस्य देवेंद्र वर्मा, रवि लहरी, राजा देवांगन, श्रयांश परगनिहा, शेषनारायण साहू, ईश्वर निषाद,सड्डू सरपंच नंदकुमार साहू, तरपोंगी सरपंच प्रतिनिधि सावन नायक, दिव्यानाथ वर्मा, अभिजीत सिंह साहू, प्रमोद पाल, कुंदन वर्मा, एवं बड़ी संख्या मे छात्र और ग्रामीणजन उपस्थित थे।

मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से मिले नगरी निकाय कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवां

नगरी निकाय कर्मचारी अपनी तीन सूत्री महत्वपूर्ण मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से किये मुलाकात। पूरे प्रदेश भर के नगरी निकाय कर्मचारी अपनी तीन सूत्री मूलभूत महत्वपूर्ण मांगों को लेकर लगातार पिछले एक सप्ताह भर से अपने-अपने स्थानीय निकायों में काली पट्टी लगाकर फील्ड और कार्यालयीन कार्यों को कर रहे थे और अपनी मांगों को लेकर नारा लगाते हुए आवाज बुलंद कर शासन का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने का लगातार प्रयास कर रहे थे। नवयुक्त अधिकारी कर्मचारी नगरी निकाय कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी ने बताया कि निकाय कर्मचारियों की बहुत ही महत्वपूर्ण और जमीनी स्तर की तीन मांगे जिसमें महीने के पहली तारीख को वेतन का भुगतान करने, शासन के अन्य विभागों की भांति पुरानी पेंशन योजना लागू करने और समय पद पदोन्नति प्रदान करने जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर हम लगातार संघर्षरत है और लगातार शासन को अपनी मांगों और समस्याओं को लेकर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रयास कर रहे थे।इसी बीच शनिवार को मुख्यमंत्री निवास से संघ के पदाधिकारीयो को मुलाकात के लिए बुलावा आया था। संघ के प्रदेश पदाधिकारीयो द्वारा माननीय मुख्यमंत्री से उनके निवास में भेंट मुलाकात कर अपनी गंभीर व महत्वपूर्ण मांगों और समस्याओं से उनको अवगत कराया गया। जिस पर माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा निकाय कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए अति शीघ्र मांगों पर विचार कर पूर्ण करने का आश्वासन दिया गया। श्री सोनी ने बताया कि चर्चा सकारात्मक और सार्थक रही और आने वाले समय पर निश्चित रूप से कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले में प्रमुख रूप से कर्मचारी संघ के संरक्षक संजय , प्रदेश अध्यक्ष राजेश , प्रदेश महामंत्री सुभाष सोनकर, वरिष्ठ सलाहकार श्रवण, और कर्मचारी ललित साहू उपस्थित थे।

बकतरा में बकरी पालन प्रशिक्षण का आयोजन किया

आरंग। राष्ट्रीय बकरी दिवस के अवसर पर एआईसीआरपी अंजोरी परियोजना, सीआईआरजी मथुरा, डीएसवीसीकेवि अंजोरा एवं पशुधन विकास विभाग जिला रायपुर के सहयोग से ग्राम बकतरा, जिला रायपुर में टिकाकरण, पशु चिकित्सा, पशु रैली एवं बकरी पालन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि रायपुर जिले के कलेक्टर गौरव कुमार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी विश्वजीत, जिले के संयुक्त संचालक डॉ शंकर लाल यूके, संचनालय रायपुर से डॉ बीपी सतनामी, परियोजना के मुख्य अन्वेषक डॉ. रामचन्द्र रामटेके, विशेषज्ञ डॉ. डी देवांगन, डॉ. ओसामा कलीम, डॉ. सन्नाट, जोगेंद्र मनहरे, गणेशराम वर्मा विभाग के अन्य कर्मचारी ग्राम के सरपंच उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में आसपास के 50 पशु सखी एवं किसान लाभान्वित हुए। उद्बोधन के दौरान कलेक्टर ने बकतरा एवं आसपास के गांवों के किसानों एवं पशु पालकों को बकरी पालक पॉकेट के रूप में विकसित करने में विश्वविद्यालय, पशुधन विकास विभाग एवं शासन से सहयोग करने की अपील की। जिससे किसान बकरी पालन से ज्यादा से ज्यादा आय अर्जित कर स्वावलंबी बने।

बिजली दरों में वृद्धि का विरोध, जनता पर बढ़ा आर्थिक बोझः राजू शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ तरपोंगी

किसान नेता व पूर्व जिला पंचायत सभापति राजू शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पूर्व में 200 यूनिट मुफ्त बिजली को बंद कर दिया गया है। अब बिजली की दरों में अतिरिक्त बोझ डालने से किसान मजदूर मध्यम वर्ग को आर्थिक बोझ बढ़ेगा। बिजली नियामक आयोग ने प्रदेश में 15 से 20% बढ़ोतरी कर दी गई है अब आम उपभोक्ता कमर्शियल उपभोक्ताओं से बिजली आयोग द्वारा घाटे की पूर्ति जनता से की जा रही है। वर्तमान समय में महंगाई चरम सीमा पर है शासकीय कार्यालय और उद्योगों में बड़े पैमाने पर बिजली बिल का बकाया है लेकिन इसे वसूली के बजाय इसके विपरीत आम जनता से बिजली का बिल बढ़ाकर वसूली की जा रही है। आम उपभोक्ता का 200 रु बकाया पर भी बिजली काट दी जाती है। बिजली दरों में वृद्धि की जन सुनवाई लुका छुपे की गई है। बिजली बिल वृद्धि से 75000 उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त भार पड़ेगा। पूर्व में इन उपभोक्ताओं को बिजली बिल हाफ का लाभ मिल रहा था। राजू शर्मा ने कहा कि बिजली विद्युत उत्पादन के लिए कोयला छत्तीसगढ़ से देश के आधे हिस्सों में जाता है लेकिन प्रदेश में आए दिन बिजली कटौती लो वोल्टेज की समस्या बनी रहती है। इसके अलावा बिजली दरो में वृद्धि करना आम जनता के साथ अन्याय हैं। राजू शर्मा ने कहा कि बिजली बढ़ोतरी का जोरदार विरोध किया जाएगा उन्होंने कहा की सप्लाई बिजली के बाद भी प्रति वर्ष बिजली बिल में वृद्धि करना जनता के साथ अन्याय है।

तिल्दा नेवरा में सफाई मित्रों का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा नेवरा

नगरपालिका परिषद तिल्दा नेवरा के स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग के सभापति रानी सौरभ जैन की सोच एवं परिकल्पना की आज तिल्दा नेवरा नगर मे खूब प्रसंशा हुई। हुआ यह कि भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं बद्रीनारायण बागड़िया उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरा के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा का 13 जुलाई को जन्मदिन था। सभापति रानी सौरभ जैन ने अनूठे ढंग से जन्मदिन मनाने की योजना बनाई। नगरपालिका के जितने भी सफाई मित्र भाई एवं बहनें हैं। उनके साथ बैठकर स्वल्पाहार लेना, उन्हें माला पहनाकर सभी को बरसात से बचने रैनकोट भेंट करना, और एक पेड़ मां के नाम से, अपने घर में रोपने हेतु पेड़- पौधे भेंट करना।यह सामाजिक समरसता का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है जिसकी नितांत आवश्यकता है। विद्यालय परिसर मे जन्मदिन और सफाई मित्रों को सम्मानित करने का कार्यक्रम रखा गया।इस कार्यक्रम मे पालिका अध्यक्ष सहित पार्षदगण शाला स्टाफ, पार्टी कार्यकर्तागण एवं नगर के जितने भी गणमान्यजन उपस्थित थे सभी ने रानी सौरम जैन के सामाजिक समरसता वाली सोच की तथा जन्मदिन पर सफाई दीदियों एवं भाइयों को सम्मानित करने की भूरि-भूरि प्रसंशा की है।कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा, भाजपा नेता राम पंजवानी, सभापति ईश्वर यदु, कृष्ण मुरारी वर्मा, संघ के गोपाल वर्मा , नरेंद्र शर्मा आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सभी ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम की प्रशंसा कर रानी सौरभ जैन को बधाई दी। वही रानी सौरभ जैन ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि सफाई मित्रो का सम्मान करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि नगर को स्वच्छ साफ रखे यह हम सभी का कर्तव्य भी है।

कार्यक्रम में नगर पालिका के पार्षद गण ईश्वर यदु, राजकुमार राजकुमार गेनडरे, दिनेश साहू, सतीश निषाद, संतोष, विनोद, कैलाश गांधी, सुखदेव वर्मा, डॉक्टर लक्ष्मण साहू, अरविंद वर्मा, देवकी बाघमार, बेबी गोस्वामी, अनीता सक्सेना, किरण वर्मा, अंजू पाठक सहित बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

सड्डू, मोहदा में श्री राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया

तरपोंगी। समीपस्थ ग्राम सड्डू (मोहदा) में श्री राम मंदिर निर्माण का भूमि पूजन व एक पेड़ मां के नाम का वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा रायपुर जिला ग्रामीण के महामंत्री अनिल अग्रवाल थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि मंदिर निर्माण के लिए गांव के हर परिवार से सहयोग जरूर ले ताकि उनमें आस्था की भावना बनी रहे इस निर्माण कार्य के लिए भरपूर सहयोग देने की बात कही इस बृहद पौधारोपण के देखभाल की जिम्मेदारी सभी को लेना होगा। सभा को तिल्दा नेवरा नगर पालिका के अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि महेंद्र साहू, जनपद सदस्य देवेंद्र वर्मा, जनपद सदस्य कल्याणी सिरमौर, सड्डू सरपंच नंदकुमार साहू, मोहदा सरपंच रेखा प्रहलाद आदि ने संबोधित किया। इस अवसर पर खैरखूँट सोसायटी अध्यक्ष रोमलाल साहू, श्रवण वर्मा, बेनीराम साहू, गौकरण साहू, खेमलाल वर्मा, टीकम वर्मा, भुवन साहू, शेखर वर्मा, भागीरथी साहू, जगदीश साहू, देवचरण साहू, रघुनंदन शांडिल्य, कृपा राम साहू, सेवक निषाद, गोवर्धन निर्मलकर, अलख निषाद, मन्नू साहू, सोहन वर्मा, पंच खोमलाल साहू, गंगाराम साहू, नेमेश्वरी निर्मलकर, चंपा निर्मलकर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन लालजी निर्मलकर ने किया।

नगर पंचायत कूंरा में आधार सेंटर खोलने की मांग की

कुंरा/धरसींवा। नगर पंचायत कुंरा के रहवासियों ने स्थानीय प्रशासन से नगर पंचायत क्षेत्र में आधार नामांकन और अपडेशन सेंटर खोलने की पुरजोर मांग की है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि आधार कार्ड में नाम, जन्मतिथि, पता, मोबाइल नंबर आदि में सुधार के लिए उन्हें दूर के कस्बों और शहरों का चक्कर लगाना पड़ रहा है। ग्रामीणों और नगरवासियों ने कहा कि कुंरा तेजी से आबादी और सुविधाओं के मामले में बढ़ रहा है, लेकिन आधार सेंटर जैसी जरूरी सेवा यहां उपलब्ध नहीं है। जिसके कारण बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और मजदूर वर्ग के लोग भारी दिक्कतें झेल रहे हैं। स्थानीय नागरिक श्री वर्मा ने कहा कुंरा नगर पंचायत बन गई है, लेकिन आधार सेंटर की सुविधा आज तक नहीं दी गई। यहां का व्यक्ति अगर नाम या जन्मतिथि में सुधार कराना चाहे तो उसे धरसींवा या रायपुर जाना पड़ता है। कई लोग महंगी बस-ऑटो की सवारी भी नहीं कर सकते। रहवासियों ने बताया कि आसपास के आधार सेंटरों में इतनी भीड़ रहती है कि एक दिन में 30 से 40 अपॉइंटमेंट से ज्यादा नहीं होते। लोग सुबह 4 से 5 बजे से लाइन लगाते हैं। कई बार ऑपरेटर अनुपस्थित होते हैं, या सर्वर डाउन हो जाती हैं। नगर पंचायत में जगह और भवन है, फिर भी सेंटर नही है। कुंरा नगर पंचायत क्षेत्र में खुद का पंचायत भवन और कई सरकारी परिसर मौजूद हैं, जहां आधार नामांकन और अपडेशन सेंटर खोला जा सकता है। बावजूद इसके अधिकारी गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं।

नगर के लोगो ने बताया हमने कई बार आवेदन दिया कि नगर पंचायत भवन में ही आधार सेंटर की अनुमति दी जाए। यहां इंटरनेट और बिजली की सुविधा भी है। लेकिन अधिकारी सुन ही नहीं रहे। लगता है उनकी रुचि समस्या हल करने में नहीं है। कुंरा के रहवासियों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द सुनवाई नहीं हुई तो वे नगर कार्यालय और जिला कलेक्टर के सामने धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। आवेदन के बावजूद प्रशासन की चुप्पी नगर पंचायत प्रतिनिधियों ने बताया कि आधार सेंटर की मांग को लेकर नगर पंचायत से कई बार आवेदन दिए गए हैं। अधिकारियों से कहा गया है कि पंचायत भवनों में ही मोबाइल यूनिट या स्थायी सेंटर से आधार सुधार की सुविधा शुरू करवाई जाए।

बच्चों के एडमिशन से पेंशन तक सब रुका

नगरवासियों ने बताया कि आधार में गलत जन्मतिथि या पता होने से स्कूलों में बच्चों का दाखिला अटक रहा है। वृद्धावस्था पेंशन, छात्रवृत्ति, राशन कार्ड, बैंक खाते तक आधार लिंक न होने या गलत जानकारी के कारण फंस रहे हैं।

विधायक शर्मा ने आबकारी उपायुक्त को लिखा पत्र : ग्रामीण

शराब दुकान स्थापना के विरोध में लगातार 17वें दिन धरना जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिलयारी/धरसींवां

ग्राम दोन्दे खुर्द में नई शराब दुकान स्थापना के विरोध में प्रस्तावित ग्राम दोन्दे खुर्द सहित आस पास के ग्राम लालपुर, मटिया, छपोरा, दोन्दे कला के ग्राम सभाओं में सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित होने एवं विद्या के मंदिर ग्राम दोन्दे कला के शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के सार्वजनिक मंच से क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा जी के दोन्दे खुर्द-दोन्दे कला में उनके रहते शराब दुकान नहीं खोंलने देने की घोषणा के बावजूद अभी तक प्रशासन द्वारा प्रस्तावित शराब दुकान को निरस्त करने का आदेश जारी नही किया गया है। जिससे कि ग्रामीणों में काफी आक्रोश है एवं भारी बारिश के बावजुद ग्रामीण लगातार आंदोलन कर रहे है, जिससे कि उनके रोजगार एवं जीवन यापन के मुख्य साधन खेती से ग्रामीण वंचित होते दिख रहे है। इस पूरे मामले को लेकर आज ग्रामीण व प्रतिनिधियो ने कलेक्टर से मुलाकात कर ज्ञापन के माध्यम से कहां की ग्राम दोन्दे खुर्द में शराब दुकान खोंलने का आदेश जारी हुआ है जिसके विरोध में हम लोग लगातार संघर्ष कर रहे है, हम लोग प्रस्तावित ग्राम दोन्दे खुर्द सहित आस पास के 4 गाँवो के ग्राम सभा का प्रस्ताव भी आपको दे रहे है एवं क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा द्वारा आबकारी उपायुक्त को पत्र लिखकर दोन्दे में शराब दुकान न खोंलने का आग्रह किया है तथा मंच से भी यह घोषणा उनके द्वारा किया जा चुका है, किंतु अभी तक दोन्दे में प्रस्तावित शराब दुकान के निरस्तीकरण का आदेश जारी नहीं किया गया है। इस पर कलेक्टर द्वारा ग्रामीणों के बातों को दरकिनार करते हुए उल्टा शराब दुकान खुलने के फायदे बताने लगे व गोल मटोल बात करने लगे, जिससे नाराज ग्रामीणों ने वहां से निकलकर छत्तीसगढ़ के नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत से दोन्दे एवं अन्य जगहों पर प्रस्तावित नवीन शराब दुकान स्थापना के विरोध के सम्बंध में विधान सभा के प्रश्न काल मे बात रखने का निवेदन किये है। ग्रामीणों ने महंत बताया कि कैसे ग्राम सभा के प्रस्ताव के बिना उनके गाँव मे शराब दुकान को शासन प्रशासन द्वारा थोपा जा रहा है। ग्रामीणो ने आबकारी उपायुक्त को भी ज्ञापन सौपकर कहां की जब तक आपके विभाग के द्वारा निरस्तीकरण का आदेश जारी नहीं किया जाएगा तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा।

कमल विहार में समाजसेवी संस्था ने किया पौधा रोपण

रायपुर। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, राजधानी के कमल विहार (सेक्टर 10) के रहवासियों ने एक वृहद पौधारोपण अभियान शुरू किया। इस पहल में समाजसेवी संस्था एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कंपनी का भी विशिष्ट सहयोग रहा। गौरतलब है कि कमल (कौशल्या) विहार के विकास की शुरुआत से ही रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा सौंदर्यीकरण और पर्यावरण संरक्षण के तहत पौधारोपण का प्रस्ताव था। हालांकि, पिछले दो वर्षों से के समक्ष फंड की कमी इस कार्य में बाधक बन रही थी। द्वारा असमर्थता व्यक्त किए जाने के बाद, स्थानीय निवासियों ने अपनी जागरूकता का परिचय दिया और आपसी योगदान से ही वृक्षारोपण की पहल की। इस कार्यक्रम में समाजसेवी संस्था के प्रतिनिधियों के साथ-साथ स्थानीय नागरिक अनिल सीरिह, गंभीर सिंह, पंकज घोष, जितेंद्र बैरागी, रजनीश द्विवेदी, कन्हैया साहू, सिद्धार्थ परिहार और अली सैफी विशेष रूप से उपस्थित रहे और सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने पौधों की देखरेख और संरक्षण का संकल्प भी लिया।

खबर संक्षेप

चालीहा महोत्सव की शुरुआत 16 से, ब्रोशर का विमोचन

रायपुर। सिंधी समाज रायपुर और थावानी परिवार द्वारा 16 जुलाई से भव्य चालीहा महोत्सव मनाया जाएगा। यह कार्यक्रम अहमदाबाद के साईं शेहरा वाले के सानिध्य व आशीर्वाद से होगा। इसी कड़ी में रविवार को चालीहा महोत्सव के ब्रोशर का विमोचन किया गया। यह महोत्सव 40 दिनों तक चलने वाला एक महत्वपूर्ण उत्सव है, जो भगवान झूलेलाल को समर्पित है। इस महोत्सव के दौरान सिंधी समुदाय के लोग भगवान झूलेलाल की पूजा करते हैं और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेते हैं, जिससे साधना करने वालों की सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस मौके पर साईं शेहरा वाले दरबार के सेवादारी महेश रोहरा, मुकेश थावानी, सुभाष बजाज व तनेश आहूजा ने बताया कि विमोचन के अवसर पर पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी, महेश दरयानी, बलराम आहूजा, कैलाश बालानी, विकास रूपरेला, कैलाश खेमानी, प्रहलाद शादीजा, अनिल लाहौरी, राजू चंदनानी, मनीष पंजवानी आदि उपस्थित थे।

मिनीमाता स्मृति दिवस और प्रतिभा सम्मान 11 को

रायपुर। छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद व गुरुमाता स्व. मिनीमाता की 53वीं पुण्यतिथि 11 अगस्त को स्मृति दिवस के रूप में मनाई जाएगी। साथ ही सतनामी समाज के 10वीं और 12वीं बोर्ड के प्रतिभावान बच्चों और उत्कृष्ट महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। यह निर्णय रविवार को न्यू राजेंद्र नगर स्थित गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी भवन में आयोजित सतनामी समाज की बैठक में लिया गया। आयोजन समिति संरक्षक शकुन डहरिया, अध्यक्ष केपी खण्डे एवं प्रवक्ता चेतन चंदेल ने तय कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि राजधानी में मुख्य आयोजन 11 अगस्त को वृंदावन हॉल में होगा, जहां माताजी की अनुकरणीय कार्यों को यादकर उनकी स्मृति में मंगल भजन और संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इसके पूर्व समाजजन पंडरी पुराना बस स्टैंड स्थित मिनीमाता की आदमकद प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेंगे। बैठक में डॉ. जेआर सोनी, डीएस पात्रे, सुंदरलाल जोगी, चंपादेवी गेंदले, जीआर बाघमारे, आशा पात्रे, संगीता पाटले, गोंदा बारले, ममता कुर्रे, सुमन गीत घृतलहरे, सरस्वती राघव, शुभांजली गायकवाड़, मोतीलाल टंडन सहित अनेकों लोग उपस्थित थे।

पीआर यादव अध्यक्ष उमेश बने महामंत्री

रायपुर। बिलासपुर स्थित प्रार्थना सभा भवन में रविवार को पेंशनर्स एसोसिएशन का प्रथम प्रांतीय अधिवेशन का आयोजन किया गया। इस अधिवेशन में निर्वाचन अधिकारी जीआर चंद्रा, सहायक निर्वाचन अधिकारी किशोर शर्मा द्वारा निर्वाचन विधिवत संपन्न कराया। इस निर्वाचन में पीआर यादव को प्रदेश अध्यक्ष, महामंत्री उमेश मुदलियार, प्रांतीय सचिव सीएल दुबे, आरपी सिंह उपाध्यक्ष तथा कोषाध्यक्ष के पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए।

निधन

बद्री प्रसाद श्रीवास्तव

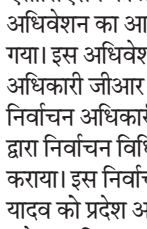

रायुपर। देवेंद्र नगर निवासी बद्री प्रसाद श्रीवास्तव (90) का 13 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे डॉ. पुनीत और अमित श्रीवास्तव के पिता थे।

व्यापम ने पूछा-जल का घरेलू स्त्रोत, बुलडोजर की खासियत, काली मिट्टी से क्यों नहीं बनाते नींव?

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत इंजीनियर के रिक्त पदों के लिए भर्ती परीक्षा रविवार को आयोजित की गई। व्यावसायिक परीक्षा मंडल को इस परीक्षा के लिए 22 हजार आवेदन मिले थे। इनमें से 80 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा दिलाई। पीडब्लयूडी के अंतर्गत उपअभियंता के 113 पदों पर भर्ती होनी है। इसमें सिविल इंजीनियर के 96 तथा विद्युत-यांत्रिकी के 17 पद शामिल हैं। उक्त परीक्षा में अभ्यर्थियों की उपस्थिति पिछली भर्ती परीक्षाओं से अधिक रही। केंद्रों के रिक्त रहने अथवा विद्यार्थियों से अधिक संख्या अभ्यर्थियों के रहने जैसी स्थिति निर्मित नहीं हुई।

परीक्षा पूर्व जांच के लिए अभ्यर्थियों को एक घंटे पूर्व बुलाया गया था। सभी केंद्रों में जैमर लगाए गए थे। राजधानी रायपुर के केंद्रों में नकल प्रकरण अथवा किसी तरह की अव्यवस्था संबंधित शिकायत खबर लिखे जाने तक सामने नहीं आई थी। गौरतलब है कि इस भर्ती परीक्षा के दौरान बिलासपुर में एक अभ्यर्थी को नकल करते हुए पकड़ा गया है।

इस तरह के सवाल

- निर्माण संबंधित विस्तृत ब्यौरा देकर पूछा कि उक्त निर्माण में छड़ों की दूरी कितनी होनी चाहिए।
- क्षैतिज बीम को क्या कहते हैं?
- काली दोमट मिट्टी नींव के लिए अनुपयुक्त क्यों होती है?
- ब्रिक्स में बने फ्रॉग्स अर्थात ईंटों के मध्य बने छोटे से गड्ढे का क्या उपयोग होता है?
- कितने बड़े मिट्टी के कण के लिए छलनी लागू होती है?
- जल का सबसे आम घरेलू स्त्रोत क्या है?
- सीमेंट किसके साथ मिलकर गिला क्रंकीट बनाता है?
- बुलडोजर की विशेषता, संघनन ऊर्जा, कंक्रीट मिक्सचर सहित निर्माण कार्य संबंधित सवाल भी पूछे गए।

- व्यापम को मिले थे 22 हजार आवेदन, 80% रही उपस्थिति
- इंजीनियर भर्ती परीक्षा : सिविल के 96 और विद्युत-यांत्रिकी के 17 पदों के लिए निकाले गए थे विज्ञापन

कुछ रोचक, कुछ ने उलझाया

सिविल इंजीनियर भर्ती परीक्षा में पूछे गए भवन निर्माण से जुड़े सवाल रोचक रहे। कई ऐसे तकनीकी सवाल भी रहे, जिसने अभ्यर्थियों को परेशान किया। विद्युत-यांत्रिकी भर्ती परीक्षा में भी यही स्थिति रही। इसकी तुलना में सिविल के सवाल अधिक सरल रहे। परीक्षा देकर निकले अभ्यर्थियों के अनुसार, जिन सवालों में तकनीकी पक्ष की अधिकता थी, उन्हें हल करने में समय लगा। सामान्य जानकारी जिन सवालों के जरिए पूछी गई, उनमें अधिक वक्त नहीं लगा क्योंकि इनका स्तर औसत था। अभ्यर्थियों से 100 सवाल पूछे गए। एक ही पाली में यह परीक्षा हुई।

हवा-पानी में टूट कर बिखर गई बुजुर्गों के लिए बनाई बांस की झोपड़ी

आक्सीजोन की बिगड़ी सेहत, हरे-भरे लॉन की जगह पर कंक्रीट बिछा रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर के प्राइम लोकेशन पर स्थित आक्सीजोन की तबीयत बिगड़ गयी है, लोगों को खुले आसमान के नीचे सांस लेने शुद्ध हवा और आंखों को सुकून देने वाले पेड़ पौधों देखरेख के अभाव में सूखने लगे हैं। आकसीजोन में जिस जगह पर लोग जूते-चप्पल उतारकर नंगे पांव हरी-भरी घासनुमा लॉन में इत्मीनान के साथ टहलने जाया करते, उस जगह को पाटकर कंक्रीटीकरण कर बाक्स क्रिकेट बनाया जा रहा है। इससे सीनियर सिटीजन और युवा नाखुश हैं।

बुजुर्गो के सुस्ताने के लिए बनाई गयी बांस के खपच्ची वाली झोपड़ी भी हवा-पानी में टूटकर बिखर गयी, इसे अब तक सुधारा नहीं गया है। वन विकास निगम ने ईएसी कालोनी स्थित 19 एकड़ जगह को संवारते हुए आक्सीजोन का स्वरूप दिया, पर उसकी देखरेख करने में नगर निगम फिसड्डी साबित हो रहा है।

19 एकड़ क्षेत्र में विकसित आक्सीजोन को संभाल नहीं पा रहा निगम

पोखर की देखरेख नहीं, गंदगी पसरी, फौवारा भी नदारद

आक्सीजोन में प्राकृतिक रूप से पोखर विकसित कर वहां आकर्षक फौवारा लगाया गया, ताकि आने-जाने वाले लोग उस जगह की सुंदरता को करीब से देख सकें। एक सुंदर मछलीनुमा आकृति बनाई गई है, पर साफ-सफाई नहीं होने से बदरंग हो गयी है। परिसर में छोटा सा पुल भी बना है जिसे पार कर बच्चे व बुजुर्ग एक छोर से दूसरे छोर तक आ जा सकते हैं। इसमें लगायी गई लोहे की रैलिंग में जंग लग गयी है, नीचे हिस्से में लगाये गये लकड़ी के पटिये धंसकर गिरने लगे हैं। इससे बच्चों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। यही नहीं, फूलदार पौधे भी अब गिनती के रह गये।

जंग खा रहे झूले और एक्सरसाइज के उपकरण

बच्चों के खेलकूद और स्वस्थ मनोरंजन के लिए आक्सीजोन में आकर्षक झूले और फिसल पट्टी की व्यवस्था की गयी है। इनमें से कुछ झूले में जंग लगना शुरू हो गया है। एक्सरसाइज के लिए लगाये गये इक्वीपमेंट के नट बोल्ट ढीले हो गए हैं। एक अरसे से इनकी मरम्मत नहीं करायी जा रही है। आक्सीजोन परिसर में निर्मित हनुमान मंदिर में प्रति शनिवार और मंगलवार को सीनियर सिटीजन वेलफेयर फोरम की ओर से हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाता है। यहां सुबह-शाम बड़ी संख्या में वरिष्ठजन जुटते हैं। इसी तरह योग करने वालों की टीम अपने सदस्यों के साथ योग और प्राणायाम करने आती है। इससे आक्सीजोन परिसर में चहल-पहल बनी रहती है।

नए सिरे से बनाएंगे बांस की झोपड़ी

आक्सीजोन परिसर में बांस से बनी झोपड़ी लोगों के विश्राम करने के लिए बनाई गई है, हवा में यह झोपड़ी टूटकर नीचे गिर गयी है, इसे नए सिरे से बनवाएंगे। इसके लिए स्वीकृति ले रहे हैं। बच्चे खड़े होकर क्रिकेट खेल सकें, इसके लिए बाक्स क्रिकेट बनवाया जा रहा है।

- **अरुण ध्रुव,** कमिश्नर, जोन क्रमांक 4, नगर निगम रायपुर

आरोपी के पिता ने एयरगन से मारी गोली

किशोरी का अपहरण कर जबरन मांग में सिंदूर भर किया रेप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

टिकरापारा थाना क्षेत्र में एक वर्ष पूर्व किशोरी को झांसा देकर कार में अपहरण कर ले जाने तथा मांग में जबरन सिंदूर भर रेप करने तथा किशोरी को एयरगन से गोली मारने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में किशोरी का अपहरण करने का आरोपी युवक, उसका दोस्त तथा युवक का पिता शामिल है।

किशोरी का अपहरण कर रेप करने के आरोप में सरगुजा निवासी किशोर गाईन, उसका पिता कन्हाई गाईन तथा विक्की उर्फ समर विश्वास को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। किशोरी की मां ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि पिछले वर्ष 22 अप्रैल को किशोर अपने दोस्त के साथ उसके घर पहुंचा और उसकी बेटी को किशोर कार में सैर कराने के बहाने अपहरण कर अपने साथ ले जाकर कार में जबरन उसकी बेटी की मांग में सिंदूर भर उसे साथी शादी करने का झांसा देकर एक माह तक बंधक बनाकर घर में रेप किया। विरोध करने तथा विवाद करने पर किशोरी की पीठ पर आरोपी के पिता ने एयरगन से गोली मारकर घायल कर दिया। एफआईआर दर्ज होने के बाद किशोर उसके पिता तथा दोस्त फरार हो गए। आरोपियों की पतासाजी कर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया।

- किशोरी की मां की शिकायत पर पुलिस ने तीन लोगों को किया गिरफ्तार

रविवि में पहली बार 5 साल पूर्ण होने के पहले ही आएगी नैक टीम, 25 को दौरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि में नैक की टीम 25 जुलाई को आएगी। यह पहली बार है जब पांच वर्ष पूर्ण होने के पहले ही नैक टीम ग्रेडिंग के लिए आ रही है। ऐसा इसलिए हुआ है, क्योंकि रविवि ने ग्रेडिंग को लेकर असंतुष्टि जताई थी। दो वर्ष पूर्व 2023 में ग्रेडिंग के दौरान नैक टीम ने रविवि से ए ग्रेड छीनकर उसे बी ग्रेड प्रदान कर दिया था। नियमतः यदि कोई संस्थान अपने ग्रेडिंग से संतुष्ट नहीं होता है, तो वह दोबारा ग्रेडिंग के लिए निश्चित अंतराल के बाद दोबारा आवेदन दे सकता है।

रविवि ने भी अपने ग्रेड से असंतुष्ट होने के कारण पुनः ग्रेडिंग के लिए आवेदन दिया था। आवेदन के बाद दी जाने वाली एसएसआर अर्थात सेल्फ असेसमेंट रिपोर्ट पहले ही भेजी जा चुकी है। अब नैक टीम के सदस्य विश्वविद्यालय आकर आगे की प्रक्रिया पूर्ण करेंगे। जुलाई माह में निरीक्षण के बाद उम्मीद की जा रही है कि रविवि को अगस्त माह में नया ग्रेड मिल जाएगा।

- दो वर्ष पूर्व ग्रेडिंग के दौरान ए ग्रेड छीनकर दिया गया था बी ग्रेड
- सभी विभागों में तैयारियां अंतिम दौर में, पहले ही भेजी जा चुकी है रिपोर्ट

नहीं चुना ऑनलाइन विकल्प

कैंटिन खोला, अपडेट हो रहे विभाग

दो वर्ष पूर्व जब नैक टीम निरीक्षण के लिए आई थी, रविवि में अस्थायी रूप से कैंटिन की जगह समोसे-चाय की दुकान खोल दी गई थी। हॉस्टल में मिलने वाले भोजन, छात्रों के प्लेसमेंट सहित अन्य कई चीजों को लेकर नैक टीम ने नाराजगी जताई थी। अब रविवि ने कैंपस में स्थायी कैंटिन खोल लिया है। विभाग को अपडेट किया जा रहा है। नोटिस बोर्ड में उनकी उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के साथ ही अन्य सुविधाएं भी दुरस्त की जा रही हैं।

नवीन व्यवस्था से इनकार

नैक में सामने आए रिश्वत कांड के बाद यूजीसी द्वारा महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को विकल्प प्रदान किए जा रहे हैं। यदि वे चाहें तो पूर्व की तरह ऑफलाइन निरीक्षण अपना सकते हैं, जिसमें टीम आकर दौरा करेगी और अपनी रिपोर्ट सब्मिट करेगी। इस रिपोर्ट के आधार पर संस्थान को ग्रेडिंग प्रदान की जाएगी। एक अन्य विकल्प अब ऑनलाइन निरीक्षण का भी दिया जा रहा है। इसमें टीम संस्थान का दौरा नहीं करेगी। संस्थान द्वारा भेजे गए रिपोर्ट के आधार पर उसे नैक निरीक्षण का सर्टिफिकेट दे दिया जाता है, लेकिन कोई ग्रेड नहीं दिया जाता। गौरतलब है कि कुछ दिनों पूर्व नैक टीम के सदस्य अच्छी ग्रेडिंग के बदले रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किए गए थे। इसके बाद नवीन व्यवस्था की गई थी।

स्टेशन के नो-पार्किंग में वाहन खड़ा करना पड़ रहा महंगा, हर दिन दर्जनों वाहनों पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रेलवे स्टेशन परिसर में नो पार्किंग क्षेत्रों में वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। हर दिन स्टेशन से दर्जनों दोपहिया और चारपहिया वाहनों पर लॉकर लगाए जा रहे हैं, साथ ही कई गाड़ियां जब्त भी की जा रही हैं। आरपीएफ जवानों द्वारा स्टेशन पर परिजनों को छोड़ने या लेने आने वाले लोगों को नो पार्किंग में वाहन खड़ी न करने की सलाह भी दी जा रही है।

प्रभारी निरीक्षक कर्मपाल सिंह गुर्जर ने बताया कि स्टेशन परिसर को अव्यवस्थित यातायात से मुक्त रखने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मजिस्ट्रेट के निर्देश पर सप्ताह में दो दिन विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पिछले छह महीनों में 1000 से अधिक वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की जा चुकी है। वहीं, हर दिन करीब दर्जन भर वाहनों पर चालानी कार्रवाई हो रही है।इस लगातार अभियान का असर भी नजर आने लगा है। लोगों में धीरे-धीरे जागरूकता बढ़ रही है और नो पार्किंग में वाहन खड़े करने की प्रवृत्ति में कमी देखी जा रही है। नो पार्किंग इलाकों की निगरानी के लिए आरपीएफ जवानों की विशेष तैनाती भी की गई है।

- स्टेशन के नो पार्किंग जोन में आरपीएफ की सख्ती
- छह माह में 1000 से ज्यादा गाड़ियों पर की कार्रवाई

दो मिनट के लिए भी वाहन नो पार्किंग में न छोड़ें

आरपीएफ व्यवस्था सुधारने के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है। नो पार्किंग में खड़ी गाड़ियों को हटाया जा रहा है और चालान के साथ कई वाहनों पर लॉक भी लगाए जा रहे हैं। यात्रियों से अपील की जा रही है कि दो मिनट के लिए भी वाहन नो पार्किंग में न छोड़ें। लगातार एक महीने की कार्रवाई के बाद स्टेशन परिसर की पार्किंग व्यवस्था में सुधार देखने को मिला है।

स्टेशन परिसर से हटाए गए अवैध ठेले

रेलवे स्टेशन परिसर में नो पार्किंग व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए सख्त कदम जा रहे उठाए हैं। स्टेशन क्षेत्र में करीब दर्जनभर नो पार्किंग बोर्ड लगाए गए हैं। अब इन निर्धारित क्षेत्रों में वाहन खड़ा करने पर आरपीएफ तत्काल कार्रवाई कर रही है। अभियान के तहत स्टेशन परिसर के अंदर से अवैध ठेले भी हटाए गए हैं। नियमों के सख्ती से पालन के लिए परिसर में सुरक्षा जवानों की तैनाती की गई है। बताया गया कि नो पार्किंग क्षेत्र में गाड़ियां खड़ी होने से अव्यवस्था फैलती थी और कुछ वाहन दिनभर खड़े रहते थे। अब स्टेशन आने वाले यात्रियों को नो पार्किंग क्षेत्र से बाहर वाहन लगाने की सख्त हिदायत दी जा रही है। पूरे स्टेशन परिसर से अव्यस्थित खड़े वाहनों पर कार्रवाई की जा रही है।

इधर एनआरआई कोटे पर संशय, उधर एमबीबीएस बीडीएस एडमिशन की काउंसिलिंग 30 जुलाई से तय

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एक ओर निजी मेडिकल कॉलेजों की एनआरआई सीटों पर एडमिशन के नियम पर संशय बरकरार है, वहीं एमसीसी द्वारा ऑल इंडिया के साथ राज्य कोटे की सीटों पर भी एडमिशन के लिए काउंसिलिंग का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। राज्य की सीटों के लिए काउंसिलिंग 30 जुलाई से शुरू होगी। 10 शासकीय मेडिकल कॉलेजों में राज्य की 1183 सीटें और चार निजी कॉलेजों में 235 सीटें हैं। एक निजी कॉलेज पर अभी जीरो ईयर का खतरा मंडरा रहा है। राज्य में पिछले साल पांच निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस का एडमिशन पूरा हुआ था, मगर इस बार विवादों की वजह से एक कॉलेज की मान्यता पर खतरा बना हुआ है। चार कॉलेजों का रास्ता लगभग क्लीयर है, यहां मौजूद एनआरआई कोटे की सीटों पर एडमिशन के लिए शासन अब नियम में संशोधन नहीं कर पाया है, इसलिए पुराने नियम पर ही अप्रवासी भारतीय कोटे की सीटें मनमाने तरीके से वितरित किए जाने की संभावना है। एमसीसी द्वारा ऑल इंडिया के साथ राज्य कोटे की सीटों पर प्रवेश के लिए 30 जुलाई से प्रारंभ करने की तारीख तय की गई है, जो स्ट्रे राउंड के माध्यम से 29 सितंबर तक पूरी की जाएगी। काउंसिलिंग का विस्तृत विवरण चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जारी किया जाएगा। एनएमसी राज्य के सभी 10 शासकीय मेडिकल कॉलेजों की कमियां दूर करने की हिदायत के साथ 2025-26 के लिए मान्यता दे चुकी है, वहीं चार निजी कॉलेजों को भी अनुमति मिलने की पूरी संभावना है। एक निजी कॉलेज को छोड़ दिया जाए तो अभी राज्य के शासकीय और निजी मेडिकल कॉलेज मिलाकर राज्य कोटे की 1418 सीटें हैं।

- 29 सितंबर तक पूरा होगा प्रवेश, चिकित्सा शिक्षा संचालनालय जारी करेगा विस्तृत शेड्यूल

बीडीएस की वही पुरानी सीटें

दंत महाविद्यालयों में बीडीएस की वहीं पुरानी सीटों पर इस बार भी एडमिशन दिया जाएगा। यहां के एक शासकीय कॉलेज के अलावा पांच निजी दंत महाविद्यालयों के कुल 600 में से 582 सीटों पर एडमिशन चिकित्सा शिक्षा संचालनालय के माध्यम से ही पूरा किया जाएगा। शासकीय कॉलेज की 18 सीटें ऑल इंडिया और सेंट्रल कोटे की हैं। डेंटल कॉलेजों द्वारा छात्रों की दिलचस्पी कम होने की वजह सीटें बढ़ाने के लिए किसी तरह की प्रक्रिया सालों से नहीं की गई है।

कुछ कॉलेजों ने किया सीट बढ़ाने आवेदन

राज्य के एक-दो कॉलेजों ने अपनी सुविधाओं का उल्लेख करते हुए एमबीबीएस के सीटों की क्षमता बढ़ाने के लिए आवेदन किया है। इस बात की संभावना जताई गयी है कि आने वाले शिक्षण सत्र के लिए मान्यता मिलने के साथ उनकी सीटें भी बढ़ सकती हैं। सीटें बढ़ने से थोड़ी राहत मिल सकती है, क्योंकि सीबीआई की रेड के दायरे में आए एक निजी कॉलेज की 150 सीटें कम होना बड़ा नुकसान बन सकता है।

अश्विन गर्ग बने कैट उद्योग के प्रदेश अध्यक्ष, राठी महामंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अश्विन गर्ग कैट उद्योग के प्रदेश अध्यक्ष बनाये गये हैं। कैट की राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी को नई प्रदेश कैट उद्योग कार्यकारिणी गठन के लिए अधिकृत किया गया। श्री पारवानी के मार्गदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने रविवार को आगामी दो वर्षों के लिए प्रदेश कैट उद्योग का गठन किया। जल्द ही प्रदेशभर में कैट उद्योग का विस्तार किया जाएगा।

श्री गर्ग की नियुक्ति कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद चांदनी चौक, नई दिल्ली प्रवीण खण्डेलवाल की अनुशंसा पर की गयी। प्रदेश कैट उद्योग कार्यकारिणी के रूप में कैट उद्योग के प्रदेश अध्यक्ष अश्विन गर्ग और प्रदेश महामंत्री सूर्या प्रकाश राठी को नियुक्त किया है।

कैट, युवा कैट, महिला कैट एवं ट्रांसपोर्ट कैट के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश महामंत्री कैट उद्योग को हार्दिक बधाई दी है।

- प्रदेशभर में कैट उद्योग का होगा विस्तार

खबर संक्षेप

म्यूल अकाउंट के आरोपियों को निर्दोष बताया एसएसपी से लगाई गुहार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में म्यूल अकाउंट के मामले में फंसे आरोपियों, विशेषकर महिलाओं को निःशर्त रिहा करने और मामला वापस लेने का आग्रह करते हुए उनके परिजनों ने रविवार को सामाजिक न्याय कार्यकर्ता अधिवक्ता भगवानू नायक के साथ रायपुर एसएसपी लाल उम्मेद सिंह से मुलाकात की। इसी दौरान परिजनों की बात एसएसपी ने गंभीरता से सुनकर शासन स्तर पर मार्गदर्शन लेकर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर श्री नायक ने कहा कि सायबर ठगों ने झुग्गी बस्तियों में रहने वालों को निशाना बनाकर लोन दिलाने और शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर उनके आधारकार्ड एवं अन्य दस्तावेजों का उपयोग कर बैंक खाते खोले। इन खातों का दुरुपयोग किया गया। इस दौरान अधिवक्ता प्रदीप साहू ने कहा, इस मामले में बड़ी संख्या में लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जिसमें बड़ी संख्या में गरीब महिलाएं भी शामिल हैं। मुलाकात करने वालों में पूर्णिमा परिहार, कोमल सोनी, अंबिका बाघ, वैष्णव सागरिया, सचिन नायक, प्राची नायक, कुसुम महानंद, रेखा सोनी, अजय तांडी, धनु क्षत्री, जया बाघ, गुड्डी तांडी, जयलक्ष्मी, पार्वती धीवर, जितेंद्र वर्मा, रेखा वर्मा, भूपेंद्र सोनी, रविंदर सिंह, स्वर्ण कौर, चंचल पांडेय सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

रायपुर में इंजीनियरिंग लैब की स्थापना करेगी मल्टीनेशनल कंपनी

रायपुर। एएचपीआई छत्तीसगढ़ चैप्टर के महासचिव अतुल सिंघानिया ने बताया कि मल्टीनेशनल फ्रेंच कंपनी सेडेक्सो है जिसका मुख्यालय पेरिस में है। भारत में 20 से अधिक राज्यों और मेट्रो के अस्पतालों सहित बड़े उद्योगों और इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी कंपनियों में खान-पान, हाउसकीपिंग आदि का कार्य करती है। छत्तीसगढ़ में अस्पतालों से संबंधित उपकरणों के रखरखाव की समस्या को देखते हुए एएचपीआई छत्तीसगढ़ चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता के आमंत्रण पर कंपनी के प्रतिनिधिमंडल ने रायपुर में अस्पतालों को चिकित्सकीय उपकरणों के रखरखाव के बारे में अपनी कार्ययोजना प्रस्तुत की। बैठक में उपस्थित अस्पतालों द्वारा इस प्रस्तुति को अत्यंत सराहना मिली। डॉ. राकेश गुप्ता ने कहा कि इस पहल को आगे बढ़ाते हुए, सेडेक्सो अब रायपुर में एक अत्याधुनिक एचटीएम लैब स्थापित करने जा रहा है जो शहर और राज्य भर के अस्पतालों की आवश्यकताओं को पूरा करेगी।

विकृति बचाव शिविर का आयोजन

रायपुर। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत शुक्रवार को सीएमएचओ डॉ मिथिलेश चौधरी एवं जिला नोडल अफसर डॉ श्वेता सोनवानी के निर्देशन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोबरानवापारा में विकृति बचाव शिविर का आयोजन किया गया। ग्रेड 2 के 13 हितग्राही शिविर में उपस्थित हुए जिन्हें विकृति से बचाव हेतु जल तेल उपचार की विधि सिखाई गई। 12 हितग्राहियों को एमसीआर चप्पल एवं 10 हितग्राहियों को सेल्फ केयर किट वितरित किया गया। उक्त समस्त गतिविधियों के दौरान डॉ तिजेंद्र साहू प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, डॉ राखी चौहान जिला सलाहकार ,फिजियोथैरेपिस्ट डॉ कविता जघेल, सीनियर पीटी अशोक घोष, बिमला दास, पीएल साहू, एफआर साहू सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

कॉलेजों की अंतिम मेरिट लिस्ट आज, इसके बाद सभी के लिए खोल दी जाएंगी सीटें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि से संबद्ध महाविद्यालय तीसरी और अंतिम मेरिट लिस्ट आज जारी करेंगे। तीसरे चरण के लिए छात्रों की सूची विवि द्वारा आज महाविद्यालयों को सौंपी जाएगी। इसके आधार पर अधिकतर महाविद्यालयों में आज ही मेरिट लिस्ट जारी कर दी जाएगी। जो कॉलेजों एक दिन में स्क्रूटनी कर मेरिट लिस्ट तैयार नहीं कर सकेंगे, वे कल मेरिट लिस्ट जारी करेंगे। जिन छात्रों के नाम इस सूची में आएंगे, उन्हें 15 से 25 जुलाई तक का समय प्रवेश के लिए दिया जाएगा।

- तीसरे चरण के बाद पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर दाखिले

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा मौजूदा शैक्षणिक सत्र के लिए जारी प्रवेश मार्गदर्शिका के अनुसार, यह प्रवेश का अंतिम चरण है। इसके बाद रिक्त सीटें सभी के लिए 25 जुलाई को रिक्त स्थान सभी वर्ग के लिए खोल दिया जाएगा। इन सीटों पर महाविद्यालय के प्राचार्य नियमानुसार अपने स्तर पर भर्ती करेंगे। दाखिले की प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन रहेगी। विवि की लिखित अनुमति के बगैर किसी भी महाविद्यालय द्वारा ऑफलाइन प्रवेश पर रोक लगाई गई है।

रविवि आज सौंपेंगा महाविद्यालयों को छात्र सूची, 25 जुलाई तक लेना होगा प्रवेश

रिक्त हैं सीटें

रविवि की वेबसाइट में आवेदन के दौरान छात्रों को किन्हीं पांच महाविद्यालयों का चयन करना था। रविवि ने इन सभी पांच महाविद्यालयों को आवेदनकर्ता छात्र के नाम भेज दिए। अधिक अंक वाले छात्रों के नाम सभी पांच महाविद्यालयों में आ गए, लेकिन उनके द्वारा प्रवेश किसी एक ही महाविद्यालय में लिया गया। इसके कारण शेष 4 महाविद्यालयों में सीटें रिक्त रह गईं। प्रथम चरण के बाद दूसरे चरण में भी यही स्थिति निर्मित हुई है। साइंस कॉलेज सहित कुछ शीर्ष महाविद्यालयों को छोड़कर अन्य कॉलेजों में तीसरे चरण में भी आसानी से दाखिले छात्रों को मिल जाएंगे। प्रथम चरण में कटऑफ 80% पार हो गया था। तीसरे चरण में प्रथम श्रेणी वाले छात्रों को दाखिल मिलने की बात विभिन्न महाविद्यालय प्रबंधन कह रहे हैं।

पुराने कोर्स में ही प्रवेश

कॉलेजों को तय वक्त पर नए पाठ्यक्रम के लिए अनुमति नहीं मिल पाने के कारण पुराने पाठ्यक्रम में ही दाखिले दिए जा रहे हैं। प्रथम चरण की मेरिट लिस्ट 25 जून को जारी हुई थी। उस वक्त भी विद्यार्थियों से पहले से संचालित पाठ्यक्रमों के लिए ही आवेदन मांगे गए थे। तीसरे चरण में भी यही स्थिति है। कोई भी नया कोर्स विकल्प के रूप में छात्रों को उपलब्ध नहीं कराया जा सका है।

साव ने लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा की

डिप्टी सीएम का नया फरमान- दिसंबर तक सभी सड़कों को करें गड्ढामुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित निर्माण भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों के साथ बरसात में सड़कों और पुल-पुलियों की स्थिति तथा उनकी मरम्मत के लिए किए जा रहे कार्यों समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। श्री साव ने राज्य में सड़कों और पुल-पुलियों के संधारण एवं मरम्मत के कार्यों पर नाराजगी जताते हुए सभी सड़कों व पुल-पुलियों को आगामी दिसम्बर तक गड्ढामुक्त करने के निर्देश दिए।

उन्होंने परफॉर्मेंस गारंटी के तहत सड़कों की मरम्मत की भी जानकारी ली। बैठक में वर्षा ऋतु में अतिवृष्टि से मार्गों को अवरुद्ध होने से बचाने तथा अप्रिय घटनाओं को रोकने निगरानी एवं आवश्यक उपायों की कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई। समीक्षा बैठक में सभी मैदानी अधिकारियों को शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, आदेश की अवहेलना करने वालों पर कोई कोताही नहीं बरती जाएगी, नियमानुसार उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने सड़कों व पुल-पुलियों की नियमित निगरानी करते हुए यथाजरूरत इनकी तत्काल मरम्मत करने को कहा। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण और टिकाऊ मरम्मत पर जोर दिया।

जितना बजट मांगेगे उतना मिलेगा

श्री साव ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को प्रशासनिक व तकनीकी दक्षता बढ़ाने तथा कार्यों की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास और निर्माण के कार्यों के लिए राशि की कोई कमी नहीं है। आप जितना बजट मांगेंगे, शासन उतनी राशि देगी। उन्होंने एक माह के भीतर राज्य के सभी पुलों का निरीक्षण कर मरम्मत और रखरखाव के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। श्री साव ने मैदानी अधिकारियों को अपने जिला प्रशासन के सहयोग से पुलों के आसपास अवैध खनिज उत्खनन पर रोक के लिए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

इस साल 1 हजार करोड़ के काम होंगे

उन्होंने बैठक में अधिकारियों को चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में प्रस्तावित कार्यों के शीघ्र डीपीआर भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त कार्यों को अविलंब प्रारंभ करने के निर्देश देते हुए कहा कि लोक निर्माण विभाग इस साल आठ हजार करोड़ रुपए से अधिक के काम करेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा पर किसी भी हालत में समझौता न करें। सभी काम निर्धारित मानकों के अनुरूप करना सुनिश्चित करें। निविदा की शर्तों के अनुसार ठेकेदारों से निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण काम करवाएं। एक-एक कार्यों पर नजर रखें और प्रगति की नियमित समीक्षा करें। उन्होंने नई सड़कों के निर्माण के लिए भू-अर्जन के कार्यों में भी तेजी लाने को कहा।

पुरानी सड़कों को रिन्यूअल प्लान में लेने का सुझाव

लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने बैठक में बरसात के बाद शुरू होने वाले कार्यों के लिए पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने आबंटित राशि का शत-प्रतिशत उपयोग करते हुए कहां पर किस प्रकार की मरम्मत करना है, इसे सावधानीपूर्वक तय करने को कहा। उन्होंने ज्यादा पुरानी सड़कों को रिनुअल प्लान में लेने का सुझाव दिया। डॉ. सिंह ने सड़कों के निर्माण के दौरान सड़क सुरक्षा के मानकों को भी गंभीरता से अमल में लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में सड़क सुरक्षा संबंधी कार्यों के लिए 60 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है।

छात्रों ने घेरा तरपोंगी टोल प्लाजा कहा- स्थानीय को दें रोजगार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

तरपोंगी टोल प्लाजा को रविवार दोपहर एनएसयूआई ने घेर लिया। यह घेराव स्थानीय लोगों को टोल प्लाजा में रोजगार सहित कई अन्य मांगों को लेकर हुआ।

- विद्यार्थियों को फ्री टोलपास देने की मांग

छात्रों का कहना है कि CG 04 पासिंग वाहनों से टोल टैक्स समाप्त किया जाए। जिले की सीमाओं पर टोल लगाना अन्यायपूर्ण है। स्थानीय नागरिकों पर यह आर्थिक बोझ गलत है और इसे तत्काल समाप्त किया जाना चाहिए। छात्रों के लिए स्टूडेंट टोल पास की व्यवस्था की जाए। प्रतिदिन रायपुर आकर पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं है। विद्यार्थियों के लिए टोल टैक्स पूरी तरह माफ किया जाए या रियायती "स्टूडेंट पास" की व्यवस्था हो, जिससे वे शिक्षा के लिए निर्बाध आवागमन कर सकें। इसके साथ ही स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता दी जाए। टोल प्लाजा में बाहरी लोगों को नौकरी पर रखा जा रहा है जबकि आसपास के स्थानीय युवाओं को रोजगार से वंचित किया जा रहा है।

दुर्व्यवहार की शिकायतें

एनएसयूआई ने आरोप लगाया है कि टोल प्लाजा कर्मचारियों द्वारा यात्रियों से दुर्व्यवहार किया जा रहा है। कई बार टोल कर्मचारियों द्वारा आम नागरिकों, खासकर वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार की शिकायतें आई हैं। छात्र संगठन ने मांग करते हुए कहा कि टोल स्टाफ को व्यवहार कुशलता का प्रशिक्षण दिया जाए और किसी भी शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जाए। प्रदर्शन में प्रदेशाध्यक्ष नीरज पांडेय, उपाध्यक्ष अमित शर्मा, महामंत्री हेमंत पाल, ग्रामीण अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी, राजा देवांगन, विशाल कुकरेजा, कुणाल दूबे, विकास सहित अन्य शामिल हुए। घेराव के दौरान कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।

मठपुरैना के शाला प्रवेश उत्सव में शामिल हुए सांसद बृजमोहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मठपुरैना के शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।इस मौके पर उन्होंने कहा कि शिक्षा ही विकास का मूलमंत्र है, शाला विकास समिति के अध्यक्ष और प्राचार्या द्वारा की गई मांगों पर सांसद निधि से अतिरिक्त कमरा निर्माण के लिए उन्होंने 10 लाख रुपए देने की घोषणा की।

- मुख्य अतिथि की आसंदी से कहा, शिक्षा ही विकास का मूल मंत्र

कार्यक्रम की अध्यक्षता रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने की। इस मौके पर आमंत्रित अतिथियों द्वारा नव प्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर,मुंह मीठा कराकर स्वागत किया गया। शाला विकास एवं प्रबंधन समिति के अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने अध्यक्षीय भाषण और स्वागत भाषण संस्था की प्राचार्या सरोज चंद्राकर ने दिया।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश ठाकुर, जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय, पार्षद मनोज वर्मा, रमेश सपहा, प्रमोद साहू, रवि सोनकर पार्षद, पूर्व पार्षद रामकृष्ण धीवर, राकेश सिंह, अभिषेक तिवारी आदि उपस्थित रहे।

गुरु खुशवंत साहेब के काफिले पर हमला

कलेक्टोरेट के सामने सतनामी समाज का प्रदर्शन, जेड प्लस सुरक्षा मांगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आरंग विधानसभा क्षेत्र के विधायक और अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब के काफिले पर अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा किए गए हमले की घटना के विरोध में सतनामी समाज युवा प्रकोष्ठ के नेतृत्व में रायपुर कलेक्ट्रेट के सामने प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने घटना की निंदा करते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग को लेकर एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह को ज्ञापन सौंपा।

सतनामी समाज युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कमल कुर्रे ने कहा, यह सिर्फ एक जनप्रतिनिधि पर नहीं, बल्कि हमारे पूरे समाज पर हमला है। दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी हो और धर्मगुरु के लिए जेड प्लस सुरक्षा व्यवस्था की जाए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो पूरे प्रदेश में उग्र आंदोलन किया जाएगा। कोमल संभाकर युवा प्रमुख, सतनामी समाज ने कहा, गुरु खुशवंत साहेब पर हमला हमारी अस्मिता पर हमला है। प्रशासन यदि गंभीर नहीं हुआ तो हम चुप नहीं बैठेंगे।

प्रदर्शन के दौरान दिलीप कुर्रे, राकेश बघेल, उपकार, सुलतान, मोना खांडे, राजा बंजारे, तरुण व्यवहार, हेमलाल भारती, विनोद डिंडलोकर, हेमचंद्र गायकवाड़, वीरेंद्र हिरवानी, चंदन चांदने, दीनू पाल, रमेश जांगड़े, अजय जांगड़े, जितेश भारती आदि मौजूद रहे।

अधिकारी-कर्मचारियों का स्वास्थ्य शिविर, एक हजार की हुई जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जिला प्रशासन द्वारा नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रोजेक्ट छांव की शुरुआत सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में की गई। कार्यक्रम में कलेक्टर गौरव सिंह के साथ अन्य अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवार के करीब एक हजार लोगों ने जांच कराई।

स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, श्रम कार्ड जैसी आवश्यक सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं।

- छांव योजना की शुरुआत कलेक्टर ने कराया चेकअप

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के माध्यम से हम एक स्वस्थ और सशक्त समुदाय का निर्माण करना चाहते हैं। प्रोजेक्ट छांव में कलेक्टर से लेकर कोटवार तक सभी अपने परिवारजन सहित शामिल हुए। इस दौरान कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की धर्मपत्नी एवं माताजी ने मैमोग्राफी सहित अन्य स्वास्थ्य जांच करवाई। शिविर में रामकृष्ण, श्री नारायणा, मेडीशाइन, बालाजी, ममता, बालको, लोटस, ग्लोबल, जिला अस्पताल के प्रोफेशनल डॉक्टर एवं स्टाफ ने अपनी सेवाएं दी। जांच शिविर में सोनोग्राफी इको, ईसीजी, के साथ बल्ड से संबंधित विभिन्न तरह की जांच की गई है। ओपीडी में शिशु रोग, दंत रोग, नेत्र रोग, कैंसर, मेडिसिन, किडनी, न्यूरोलॉजी, मेंटल हेल्थ, गैस्ट्रोलॉजी, स्त्री रोग, कार्डियोलॉजी, जनरल एंड लेमोस्कोपी सर्जरी परामर्श, अस्थि रोग, सहित अन्य विभाग के परामर्श किया गया। इस अवसर पर एसएसपी डॉ. लाल उमेंद सिंह, निगम आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, डीसीएम रेलवे अवधेश कुमार त्रिवेदी, सीएमएचओ डॉ मिथिलेश चौधरी, बालको हॉस्पिटल से डॉ. भावना सिरोही सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दधीचि अभियान की शुरुआत

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन रायपुर द्वारा प्रोजेक्ट 'दधीचि' का शुभारंभ किया गया। इस परियोजना का उद्देश्य शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अंगदान के लिए प्रेरित करना है। इंडोर स्टेडियम में आयोजित शिविर के दौरान पाँच लोगों ने अंगदान का संकल्प लेकर प्रोजेक्ट 'दधीचि' की औपचारिक शुरुआत की।

पेज 11 के शेष ...

सावन के अंतिम...

वर्तमान में बारिश के कारण खारुन नदी का जलस्तर बढ़ गया है और वर्तमान में पानी कमर से ऊपर बह रहा है, जिससे आम श्रद्धालुओं के लिए मंदिर तक पहुंचना जोखिम भरा हो गया है। ऐसे में कुछ स्थानीय ग्रामीण ही तैरकर मंदिर तक पहुंच रहे हैं और पूजा-अर्चना कर रहे हैं। कल सावन के पहले सोमवार भक्त दूर से ही दर्शन करेंगे। ब्रिज के लिए और इंतजार करना होगा। बता दें कि टोलाघाट में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। बारिश में हर दिन हजार से अधिक लोग यहां पहुंच रहे हैं।

स्मार्ट सिटी में...

इनके जमावड़े की वजह से ऐसी कई दुर्घटनाएं होने के बावजूद निगम प्रशासन की नींद नहीं टूटी। पेश है एक रिपोर्ट : शहर के रिहाइशी इलाके, बाजारों और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर मवेशियों के झुंड से आम आदमी त्रस्त है। निगम की नाक के नीचे धड़ल्ले से संचालित हो रही अवैध डेयरियों का खामियाजा शहरवासी भुगत रहे हैं।

सड़क पर छुट्टे मवेशी छोड़ने वाले पशुपालकों पर निगम अब तक नकेल नही कस पाया। अव्यवस्थित रूप से मवेशियों का झुंड से जहां आवागमन बाधित होते देर नहीं लगती, वहीं शहर की महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी सुरक्षित नहीं हैं।

केस 3 : टैगोर नगर चौक -नगर निगम जोन-6 क्षेत्र स्थित शहीद पंकज विक्रम वार्ड के टैगोर नगर चौक पर सुबह-शाम मवेशियों का झुंड सड़क यातायात बाधित करते देखा जा सकता है। कभी-कभी तो स्थिति ये रहती है कि यहां से लोगों का पैदल निकलना मुश्किल हो जाता है। दुपहिया, तिपहिया और चौपहिया वाहन चालक मवेशियों के झुंड सड़क पर अचानक आने से परेशान रहते हैं। शिकायत के बाद भी जोन-6 कमिश्नरी ने अब तक आवारा मवेशियों को पकड़ने काऊकैचर दस्ते को सक्रिय नहीं किया।

केस 4 : वीआईरोड से फुंडहर मार्ग - शहर के बेहद खास माने जाने वाले वीआईपी रोड से जहां आए दिन विशिष्टजनों का आना-जाना लगता रहता है। साथ ही एयरपोर्ट जाने का रास्ता होने से यहां अक्सर ट्रैफिक का दबाव बना रहता है, इसके बाद भी आउटर का यह इलाका मवेशियों से अछूता नहीं है। वीआईपी रोड से फुंडहर चौक तक मवेशियों को बीच सड़क पर चहलकदमी करते देखा जा सकता है। नगर निगम का काऊकैचर दस्ता यहां कभी-कभार ही नजर आता है।

शंकरनगर...

हैं। इसके चलते जहां ट्रैफिक जाम से लोग परेशान रहते हैं, वहीं रात के अंधेरे में सड़क घेरकर बैठे मवेशी का अंदाजा लगा पाना वाहन चालकों के लिए भी मुश्किल होता है। शिकायत के बाद भी जोन-3 कमिश्नरी द्वारा मवेशियों की धरपकड़ नहीं की जा रही है। हाल ही में शंकरनगर के शहीद भगत सिंह चौक की सड़क पर सांडों की लड़ाई चर्चा में रही।

सावन लगते ही...

लंबी हो सकती है। प्रदेश में गुरुवार तक जोरदार बारिश हुई थी, जिसके बाद सूखे का संकट झेलने वाले जिले सामान्य की श्रेणी में आ गए थे। शुक्रवार से वर्षा की गतिविधि में कमी आई और इसकी मात्रा भी कम हो गई। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले दो दिन से बारिश पर ब्रेक जैसी स्थिति बन गई है, क्योंकि पुराना सिस्टम आगे बढ़ चुका है और नये के विकसित होने में थोड़ा वक्त है। अगले चार दिनों तक प्रदेश में वर्षा का संकट रहने की संभावना है, क्योंकि मानसून द्रोणिका अपनी सामान्य स्थिति से नीचे की ओर झुका हुआ है। इसके सामान्य स्थिति में वापस आने के लिए बंगाल की खाड़ी में ताकतवर सिस्टम बनने की आवश्यकता है। अभी बारिश नहीं होने की वजह से वातावरण में मौजूद उमस के हालात बन रहे हैं और चिपचिपाहट लोगों को परेशान कर रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में हलचल हो रही है, यह निम्नदाब का क्षेत्र बनकर सही दिशा में आगे बढ़ता है, तो मानसून पुनः सक्रिय होगा, अन्यथा अभी प्रदेश के उत्तरी इलाके में ही छिटपुट बारिश के साथ संतोष करना पड़ेगा।

खेती के लिये पर्याप्त पानी: मौसम के साथ कृषि विज्ञान से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि अब तक हुई बारिश खेती-किसानी के हिसाब से पर्याप्त है। अभी आठ दस दिनों तक अगर जोरदार बारिश नहीं होती है, तब भी किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। राज्य में अभी भी औसत वर्षा से अधिक बारिश दर्ज की जा चुकी है। एक-दो जिलों को छोड़कर बाकी सामान्य श्रेणी में आ चुके हैं।

33-34 पर तापमान : मौसम विभाग के अनुसार रविवार को दुर्ग का सर्वाधिक तापमान 34.2 डिग्री रिकार्ड किया गया वहीं रायपुर का पारा 33 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा। अन्य शहरों का पारा भी 31 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार बारिश का मौसम होने के बाद भी जुलाई में उमस की स्थिति बरकरार रहती है।

हरिभूमि

रायपुर, सोमवार 14 जुलाई 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

शिवालयों में सोमवार से पहले उमड़ी ....

जॉब अलर्ट

एम्स में सीनियर रेजिडेंट के पदों निकली भर्ती, आवेदन की अंतिम तिथि 30 जुलाई

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की ओर से सीनियर रेजिडेंट (नॉन एकेडमिक) के पदों पर भर्ती के लिए ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी किया गया है। जारी नोटिफिकेशन के तहत सीनियर रेजिडेंट के कुल 152 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास स्नातकोत्तर की डिग्री होनी चाहिए। अगर आप भी एम्स, पटना में सीनियर रेजिडेंट के रूप में काम करना चाहते हैं तो आप आधिकारिक वेबसाइट aiimspatna.edu.in पर जाकर ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। साथ ही एम्स पटना की ओर से 14 अगस्त 2025 सुबह 10 बजे से लेकर 11.30 बजे तक भर्ती परीक्षा का आयोजन कराया जाएगा।

अधिकतम आयु 45 वर्ष निर्धारित

सीनियर रेजिडेंट के पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास भारत के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से एमडी, एमएस, डीएनबी या डीएम की डिग्री होनी चाहिए। इसके अलावा उम्मीदवारों की अधिकतम आयु 45 वर्ष निर्धारित की गई है। हालांकि विशेष वर्ग के उम्मीदवारों को आयु-सीमा में छूट भी प्रदान की जाएगी। अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट, ओबीसी उम्मीदवारों को आयु-सीमा में 3 वर्ष की छूट और दिव्यांग उम्मीदवारों को आयु-सीमा में 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी। आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को एप्लीकेशन फीस का भुगतान भी करना होगा। सामान्य और ओबीसी उम्मीदवारों के लिए 1500 रुपए, अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए 1,200 रुपए निर्धारित की गई है। इसके अलावा दिव्यांग व महिला उम्मीदवारों को एप्लीकेशन फीस में छूट प्रदान की गई है।

● बैंड और मॉडर्न बीट्स के दौर में सितार-बांसुरी कलाकारों की पहली पसंद, कायम है भावनात्मक जुड़ाव

वेस्टर्न धुनों के बीच बैंड में गूंज रही तबले-ढोलक की थाप युवाओं में पारंपरिक वाद्ययंत्रों से जुड़ाव अब भी बरकरार

आधुनिकता के दौर में भले ही युवा पीढ़ी संगीत, वेस्टर्न बीट्स और इलेक्ट्रॉनिक इंस्ट्रूमेंट्स की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे है, लेकिन भारतीय पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मिठास और गहराई आज भी बरकरार है। मॉडर्न बैंड ग्रुप में ड्रम, की-बोर्ड और गिटार जैसे वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंट्स की भागीदारी बढ़ी है। इसके बाद भी तबला, ढोलक, मृदंग और बासूरी जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मांग में कोई कमी नहीं आई है।

भारतीय वाद्ययंत्र से प्रस्तुति को जीवंत बनाने में मदद

द सौलम्बिएंट सिम्फनी बैंड ग्रुप से दीपक देवांगन ने बताया कि उनके बैंड में 10-12 कलाकार शामिल हैं, जिनमें अधिकतर भारतीय पारंपरिक वाद्ययंत्र बजाने में दक्ष हैं। प्रस्तुति के दौरान सितार, तबला, बांसुरी और सिम्फनी जैसे वाद्ययंत्रों को प्रमुखता दी जाती है। कार्यक्रम के दौरान भारतीय वाद्ययंत्रों की मधुरता जब वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंट कीबोर्ड, गिटार और वायलिन के साथ मिलती है, तो संगीत का एक नया धून सुनने को मिलता है। पारंपरिक ध्वनियों की मिठास और गहराई, वेस्टर्न बीट्स के साथ मिलकर न सिर्फ प्रस्तुति को जीवंत बनाती है बल्कि दर्शकों को भी जोड़ने का प्रयास करती हैं।

रायपुर। युवाओं में बढ़ते बैंड और वेस्टर्न म्यूजिक में क्रेज के बाद भी भारतीय पारंपरिक वाद्ययंत्रों को लेकर आकर्षण कम नहीं हुआ है। नए जमाने में कलाकार प्रोग्राम के दौरान तबला, ढोलक, सितार,बैंजो और बासूरी को भी शामिल कर रहे है। तबला और ढोलक की थाप के बिना बैंड ग्रुप का परफॉर्मेंस अधुरा है, यह कहना शहर के कलाकारों का है। जिन्होंने आधुनिकता के दौर में भी भारतीय पारंपरिक वाद्ययंत्रों का साथ नहीं छोड़ा है। स्थानीय कलाकारों के अनुसार आधुनिक वाद्ययंत्रों की ध्वनि भले ही ऊंची और प्रभावशाली हो, लेकिन भारतीय वाद्ययंत्रों की मधुरता और भावनात्मक स्पर्श श्रोताओं के बीच गहरा जुड़ाव बनाते हैं। इसे अलग करना किसी के लिए भी संभव नहीं है।

पारंपरिक वाद्ययंत्रों में दर्शकों का लगाव

स्वरनिक्स बैंड ग्रुप से राहुल ठाकुर का कहना है कि वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंट्स की ध्वनि भले ही ऊर्जावान और तेज होती हो, लेकिन भारतीय वाद्ययंत्रों की मिठास और गहराई उन्हें अलग पहचान देती है। कई नामी भारतीय कलाकार अपनी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रस्तुतियों में महज 2-3 पारंपरिक वाद्ययंत्र जैसे तबला, सितार और बांसुरी के माध्यम से ही संपूर्ण कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि भारतीय वाद्ययंत्रों की ध्वनि सीधे दर्शकों की भावना से जुड़ती है।

तबला और ढोलक की थाप से जुड़ते हैं दर्शक

सियाधेश म्यूजिक बैंड से जुड़े आयुष नामदेव ने बताया कि उनके कार्यक्रमों की शुरुआत कभी भी तबला और ढोलक के बिना नहीं होती। वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंट्स की लोकप्रियता होने के बावजूद तबला और ढोलक की थाप की बराबरी कोई अन्य वाद्ययंत्र नहीं कर सकता। मंच पर गिटार, ड्रम, हारमोनियम और बैंजो जैसे वेस्टर्न वाद्ययंत्रों के साथ-साथ पारंपरिक वाद्ययंत्रों का मेल न सिर्फ संगीत को समृद्ध करता है, बल्कि दर्शकों के दिल से भी जुड़ता है। कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ी, सांस्कृतिक और बॉलीवुड धुनों में पारंपरिक वाद्ययंत्रों की संगत होती है तो संगीत नई ऊर्जा के साथ एक अलग ही छाप छोड़ता है।

सिटी इवेंट

कांच के कंटेनर में बनाया गार्डन, पौधा लगाने सूखी पत्तियों से तैयार की मिट्टी

रायपुर। वृंदावन हॉल में प्रकृति की ओर सोसाइटी द्वारा रविवार को टेरारियम गार्डनिंग पर कार्यशाला आयोजित की गई। विशेषज्ञ बिजल पितलिया ने प्रतिभागियों को कांच के कंटेनर में पौधे उगाने, नदी और मंदिर सजाने की विधि बताई। उन्होंने कंटेनर में वर्मीकंपोस्ट, कोयला, ड्रेनेज, कोकोपीट और सूखी पत्तियों से मिट्टी तैयार कर सफेद-नीली रेत से लेयर बनाई। हैरानी तब हुई जब उन्होंने बताया कि एक कंटेनर में 50 छोटे पौधे लगाए जा सकते हैं। उन्होंने सोलेरोलिया, अफ्रीकी वायलेट, पोथोस, स्टारफिश प्लांट, पेपरोमिया, जेड प्लांट, स्पाइकमॉस और सिनगोनियम पोडोफिलम जैसे पौधों को घर में लगाने की सलाह दी।

कांच के कंटेनर में 3 साल तक जीवित रहते हैं पौधे

कार्यशाला में विशेषज्ञ ने बताया कि कांच के कंटेनर में लगाए गए पौधों की हर 15-20 दिन में कैंची से छंटाई करनी चाहिए। पौधे की ऊंचाई 6 इंच या कंटेनर के भीतर सीमित रखनी चाहिए, ताकि उसे पर्याप्त नमी मिलती रहे। सही देखभाल के साथ ये पौधे 2 से 3 साल तक जीवित रह सकते हैं।कार्यक्रम के दौरान जब कंटेनर के भीतर आकर्षक बहती नदी का दृश्य तैयार किया गया, तो हॉल तालियों की गूंज से भर उठा। लाइव क्लास में लोगों ने प्रकृति से जुड़ी तकनीकें सीखीं और विशेषज्ञों से सवाल-जवाब कर जानकारी प्राप्त की। बिना कैमिकल के पौधों की देखरेख और उन्हें घर पर उगाने की हर छोटी-बड़ी जानकारी प्रतिभागियों से साझा की गई।

गार्डनिंग को लेकर बढ़ी जागरूकता

गार्डन एक्सपर्ट अंजू परख ने कार्यशाला में बताया कि आज की तेज रफ्तार जिंदगी में गार्डनिंग के लिए समय निकालना मुश्किल होता है,

लेकिन टेरारियम जैसे नवाचार इस कमी को दूर करते हैं। ये पौधे कम जगह लेते हैं और बालकनी, छत या खिड़की के पास भी आसानी से लगाए जा सकते हैं, जिससे हर कोई हरियाली से जुड़ा रह सकता है।उन्होंने बताया कि देशी बीज, गमले, खाद, उपजाऊ मिट्टी और कोकोपीट मिलाकर पौधों को आसानी से तैयार किया जा सकता है। साथ ही नियमित रूप से पानी देना, उचित धूप की व्यवस्था और समय-समय पर खाद डालना—ये सभी बातें गार्डन को सुंदर और स्वस्थ बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती हैं।

साइंस सेंटर में राष्ट्रीय विकास में प्राचीन विज्ञान और परंपराओं की भूमिका पर मंथन, शामिल हुए प्रतिभागी

रायपुर। छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेन्टर के 14वें स्थापना दिवस पर 'पुरानी जड़ें, नया विकास : राष्ट्रीय विकास में प्राचीन विज्ञान और परंपराओं की भूमिका' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत साइंस सेन्टर के महानिदेशक डॉ. एस कर्मकार के संबोधन से हुई। इस दौरान सौ से अधिक छात्र-छात्राओं की उपस्थिति दर्ज की गई। साइंस सेंटर के महानिदेशक ने कहा कि यह आयोजन साइंस सेन्टर के 14वें स्थापना दिवस के रूप में किया गया है। साइंस सेन्टर विज्ञान संचार के क्षेत्र में प्रदेश के लिए गौरव का विषय बन चुका है। यहां वैज्ञानिक प्रगति में नवाचार के महत्व और भारत के भविष्य को आकार देने में युवाओं को प्रेरित किया जा रहा है। इस दौरान डॉ. कर्मकार ने समरकैंप, विज्ञान आधारित हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग वर्कशॉप, इनोवेशन कैंप, विज्ञान प्रदर्शनी, विज्ञान फिल्में और छात्रों के लिए व्यावहारिक शिक्षण के सफल प्रयासों की जानकारी साझा की।

14वें स्थापना दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

साइंस सेंटर परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता विज्ञान संप्रेषक व लेखक डॉ. डीडी ओझा उपस्थित रहे। जिन्होंने बताया कि प्राचीन भारतीय विज्ञान, खगोलशास्त्र, धातुकर्म, चिकित्सा एवं वास्तुशास्त्र की आधुनिक उपयोगिता के साथ जुड़ी हुई है। भारत की पारंपरिक वैज्ञानिक परंपराएं वर्तमान में नवाचारों का आधार बन सकती हैं। ऐसे में युवाओं को वैज्ञानिक सोच और सांस्कृतिक विरासत दोनों का समन्वय बनाना होगा। व्याख्यान के दौरान इनोवेशन कैंप, विज्ञान कार्यशालाओं, प्रदर्शनी, तारामंडल शो जैसे कई सफल कार्यों की सराहना की। वहीं, छात्रों ने पारंपरिक एवं आधुनिक विज्ञान प्रणाली से संबंधित प्रश्नोत्तरी में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में शासकीय स्कूलों से हायर सेकंडरी बरौदा, दलदल सिवनी, कचना एवं रावतपुरा स्कूल के 150 छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

एक कदम हरियाली की ओर संदेश के साथ दिए 500 पौधे

रायपुर। एक कदम हरियाली की ओर थीम पर शहर को हरा-भरा बनाने का संदेश लोगों तक पहुंचाने के लिए रोटरी क्लब ऑफ रायपुर एलिगेंस और रोटरी ग्रेटर रायपुर अभिनव पहल कर रहा है। इस मुहिम के तहत क्लब ने निशुल्क 500 पौधों का वितरण किया। कॉलोनी व सोसाइटी के लोगों ने अपने घरों, फार्म हाउस और आसपास के क्षेत्रों में उसे रोपित किया। वृक्षारोपण अभियान का आगाज दोनों ही क्लबों ने संयुक्त रूप से 12 जुलाई से किया, जो 18 जुलाई तक जारी रहेगा। इस प्रयास को सफल बनाने में कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें रोटरी ग्रेटर के अध्यक्ष रितेश जिंदल, एलिगेंस क्लब की फाउंडर मनीषा अग्रवाल, प्रेसिडेंट नीरू अग्रवाल, सेक्रेटरी तनुश्री अग्रवाल, चेयरपर्सन अंशु छाबड़ा का विशेष योगदान रहा है।

क्लब की सरोकार बढ़ाने की पहल

क्लब के लोगों ने संदेश दिया कि जब वातावरण शुद्ध रहेगा, तभी मनुष्य का शरीर भी स्वस्थ रहेगा। इसीलिए वृक्षारोपण केवल दूसरों के लिए नहीं, बल्कि अपने स्वास्थ्य और भविष्य के लिए जरूरी है। इस अभियान के तहत रोटरी क्लब ऑफ रायपुर एलिगेंस और रोटरी ग्रेटर की टीम शहर में अभियान से लोगों को जोड़ते हुए पौधे वितरित कर रही है। वृक्षारोपण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए यह पहल कर रही है। आइए, हम सब मिलकर इस मुहिम में शामिल होकर अधिक से अधिक पौधे लगाएं और शहर को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने के लिए सरोकार बढ़ाने के लिए आग्रह भी कर रही हैं।

कार्नर न्यूज

रेट्रो थीम पर मंच पर रैंप वॉक करती शामिल हुईं

सावन मिलन समारोह, पारंपरिक वेशभूषा में सजीं महिलाएं

रायपुर। सावन मिलन समारोह कार्यक्रम के दौरान नाइंटीज के गाने की धुन सुनते ही महिलाओं में उत्साह का माहौल बनता नजर आया। जहां चार महिलाओं ने रिमिक्स गानों पर मनमोहक प्रस्तुति दी, सावन मिलन में महिलाएं राजस्थान, साउथ इंडियन, गुजराती, मारवाड़ी, पंजाबी आदि पारंपरिक वेशभूषा में नजर आईं। कार्यक्रम की शुरूआत रैंप वॉक के साथ हुई, जहां महिलाएं भगवान शिव की प्रतिमा के साथ मंच पर उपस्थित हुईं। इस दौरान सावन पर्व की महत्ता और कांवड़ यात्रियों के मनोभाव दर्शाने का प्रयास किया गया। सामूहिक डांस के दौरान महिलाएं ब्लैक चश्मे के साथ स्टेज पर परफॉर्मेंस करती दिखीं, जहां उन्हें डांस करता देख दर्शकों में मौजूद महिलाएं भी खुद को थिरकने से रोक न सकीं।

सावन महोत्सव में पर्यावरण जागरूकता का संदेश

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा वीरांग संस्था द्वारा सावन मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जहां महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा एवं रेट्रो थीम पर सोलह श्रृंगार के साथ नजर आईं। कार्यक्रम के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां एकल व सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं ने पर्यावरण जागरूकता, ऑपरेशन सिंदूर, सावन में कांवड़ यात्रा के थीम पर प्रदर्शनी तैयार की, जहां शिखा, निधि अभिषेक सिंह और निधि राजपूत ने विजेता पुरस्कार प्राप्त किया। सावन महोत्सव होटल ग्रैंड राजपूताना में आयोजित किया गया।

समाज लाइव

आंगनबाड़ियों में बच्चों व प्रसूताओं को बांटे गए पांच फलदार पौधे

रायपुर। छेरीखेड़ी आंगनबाड़ी केंद्र के छोटे बच्चों व उनके परिजनों ने परिसर ग्राउंड में मुनगा का एक-एक पेड़ लगाया। जिला प्रशासन द्वारा हर घर मुनगा अभियान के तहत हर जन्म पर एक फलदार पौधा रोपने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में एकीकृत बाल विकास परियोजना धरसींवा-1 महिला एवं बाल विकास विभाग की बाल विकास अधिकारी अनुपमा तिवारी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा पोषण व हरियाली में हर बच्चे के जन्म पर उनके परिवार के सदस्यों को 5 फलदार पौधे भेंट स्वरूप दिया जाएगा। इसके तहत बाल विकास परियोजना अधिकारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों व स्वास्थ्य केंद्रों में बच्चे के जन्म के उपरांत संबंधित दंपतियों को मुनगा, पपीता, आंवला, अमरूद, आम का 5 पेड़ भेंट में दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रत्येक परिवार को हरियाली व पौषणयुक्त फलदार वृक्षों के लाभ से जोड़ना है।

साइकिल पर घूमकर बांट रहीं फलदार पौधे

बाल विकास अधिकारी अनुपमा तिवारी साइकिल पर सवार होकर अपने परियोजना क्षेत्र के अंतर्गत आंगनबाड़ियों में हर घर मुनगा अभियान के तहत पौधे लेकर पहुंच रही हैं। जहां आंगनबाड़ी के बच्चों व उनके परिजनों से मिलकर आंगनबाड़ी परिसर में पोषण से भरे फलदार पौधे वितरित व रोपण का कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में रोपे जा रहे मुनगा, पपीता, अमरूद, आंवला, नींबू का जियो टैगिंग के जरिए मॉनिटरिंग रखा जा रहा है। इन पौधों का विकास व सुरक्षा की जिम्मेदारी बच्चों के परिजन व आंगबाड़ी कार्यकर्ताओं की होगी।

सिटी लाइव

राउंड टेबल इंडिया की पहल पर रोपे गए 51 हजार पौधे

रायपुर। राउंड टेबल इंडिया ने नींव फाउंडेशन के साथ मिलकर राउंड टेबल रेजोनेट 312 के तहत एक भव्य वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। इसमें 51,000 से अधिक पौधों का रोपण किया गया। यह हरित पहल समाज के प्रति प्रतिबद्धता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, हरिभूमि एवं आईएनएच न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने प्रकृति के बीच बढ़ते असंतुलन को खत्म करने के लिए पौधारोपण पर जोर दिया। नमित जैन, अमित बराड़िया प्रमुख रूप से इसमें शामिल हुए। अरुल अग्रवाल, विपुल भूतड़ा, रजत खेतर ने इस पहल को लेकर जानकारी दी। इस अवसर पर राउंड टेबल के अतिथियों, स्वयंसेवकों और समुदाय के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

प्रभावशाली तरीके से करें समाजसेवा

इस अवसर पर राउंड टेबल इंडिया के नेशनल प्रेसिडेंट रचित बंसल प्रमुख रूप से शामिल हुए। उन्होंने स्थानीय चैप्टर्स के प्रयासों की सराहना करते हुए और प्रभावशाली सामुदायिक सेवा के प्रति आरटीआई की प्रतिबद्धता को दोहराया। यह वृक्षारोपण अभियान राउंड टेबल इंडिया की "फ्रीडम थ्रू एजुकेशन" और "सस्टेनेबिलिटी" की सोच के साथ राष्ट्र निर्माण के संकल्प को और मजबूत करता है। इस प्रयास को आगे बढ़ाने पर उन्होंने जोर दिया। इसमें संस्था के मेंबर्स की सहभागिता ने आयोजन को खास बनाया।

बैजनाथ धाम के लिए रवाना हुए कांवड़िए

शिवालयों में सोमवार से पहले उमड़ी भक्तों की भीड़

'सावन शुरू होने के बाद सोमवार से पहले रविवार को शिवालयों में भक्तों की आवाजाही से महादेवघाट में उत्सव का माहौल रहा। भगवान महादेव के दर्शन लाभ लेने भीड़ उमड़ रही है तो मंदिर प्रबंधन ने लोगों की सुविधा के लिए व्यवस्था बनाने के लिए दायित्वों का भी विभाजन किया है। साथ ही झारखंड के देवघार स्थित बाबा बैजनाथ धाम के लिए कांवड़ियों का समूह भी ट्रेन से रवाना हुआ। सोमेश्वर महादेव का भक्त परिवारों ने रुद्राभिषेक भी किया। यह सिलसिला आज वृहद रूप लेगा।'

सोमेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक, भस्म आरती

सरजूबांधा मुक्तिधाम के पास स्थित श्री सोमेश्वर महादेव मंदिर के मुख्य द्वार के पास रुद्राभिषेक और भस्म आरती की गई। मुख्य यजमान लता संजय चंद्राकर थे। पं. लक्ष्मीनारायण शर्मा के सानिध्य में पूजा-अर्चना की गई। रविवार को सुबह 9 बजे मंत्रोच्चार के साथ आयोजन का शुभारंभ किया गया। इसमें कृष्ण मित्र फाउंडेशन के अध्यक्ष माधवलाल यादव, संगीता यादव, गोवर्धन झंवर, रेखा झंवर, संजय चंद्राकर, राजू वर्मा, ममता वर्मा, उपेंद्र करवा, युवराज सिंह राजपूत, ऋषि लोया, मीना यादव, कलावती शुक्ला, संगीता यादव शामिल हुईं। सभी ने इस आयोजन को सफल बनाने में सहभागिता भी निभाई।

रायपुर। प्रदेश की खुशहाली और तरक्की की कामना से श्रावण महीने में कांवड़ियों का दल बाबा बैजनाथ धाम के लिए रवाना हुआ। बिरगांव निगम क्षेत्र के तहत बुधवारी बाजार शिव मंदिर से कांवड़ियों का दल भगवान भोलेनाथ पर जलाभिषेक का संकल्प लेकर रवाना हुआ। सभी कावड़ियों को इसके लिए बधाई देते हुए देवांगन समाज के धर्म प्रचार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष भीखमलाल देवांगन ने कहा कि भोलेनाथ दानी हैं। उनके सामने जो भी झोली फैलाता है, बाबा उनकी मनोकामना पूरी करते हैं। बिरगांव से 100 कांवड़ियों का दल बाबा धाम पहुंचने के बाद उन्हें जल समर्पित करने रवाना हुआ। उन्होंने बताया कि कांवड़ियों के मन में बाबा भोलेनाथ के प्रति श्रद्धा और समर्पण की भावना है। रविवार को रेलवे स्टेशन पर कांवड़ियों के दल को रवाना करने के लिए विधायक मोतीलाल साहू, बिरगांव निगम के महापौर नंदलाल देवांगन के साथ पदाधिकारी भी पहुंचे।

भगवान शिव का अभिषेक और पार्थिव पूजन

श्री शंकराचार्य आश्रम बोरियाकला में दंडी स्वामी डॉ. इंदुभवानंद तीर्थ महाराज ने कहा कि संन्यासियों के लिए चातुर्मास एक विशेष अनुष्ठान है। चातुर्मास काल में संन्यासी वेद अध्ययन, चिंतन और उपासना करते हैं। सामान्य समय में संन्यासी वर्ष पर्यंत भ्रमण करके धर्म प्रचार और धर्म रक्षा का काम करते हैं। शंकराचार्य आश्रम में रविवार को सुबह शिवजी का अभिषेक और पार्थिव पूजन किया गया, जो अनवरत जारी रहेगा। भगवान शंकर की आठ प्रत्यक्ष मूर्तियां मानी गई हैं। पांच तत्वों के रूप में भगवान शिव विराजमान होते हैं। आश्रम के सभी बटुक और ब्रह्मचारी भी शामिल हो रहे हैं।

ऑनलाइन सावन महोत्सव में उमंग तरंग

भारत हास्य योग केंद्र दिल्ली के ऑनलाइन सावन महोत्सव में उमंग तरंग, हंसगुल्ले और मुस्कान हास्य योग केंद्र की प्रस्तुति हुई। इसमें सभी हास्य योग साधकों ने बहुत अच्छे से नृत्य प्रदर्शन किया। ऑनलाइन कार्यक्रम सियान सदन, जनता कॉलोनी में किया गया। इसमें तिलक नगर वार्ड की महिलाएं शामिल हुई। इसमें ठहाका हास्य योग केंद्र के मेंबर्स भी उत्साहवर्धन के लिए पहुंचे। इस ऑनलाइन महोत्सव में हास्य योग साधक भी जुड़े। जो नोएडा, दिल्ली, पुणे, रायपुर, बिलासपुर, जबलपुर व शिमला से शामिल हुए। हरे व पीले परिधानों में प्रकृति के नजदीक दिख रहे थे। केंद्रों में हास्य योग की कक्षाएं नियमित रूप से सुबह डेढ़ घंटे की लगती हैं। रायपुर में मूलचंद शर्मा और प्रकाश अग्रवाल के मार्गदर्शन में हास्य योग का बीज फूटा था।

द्रव्यों और नवरत्नों से किया प्रभु का अलौकिक अभिषेक, भक्ति भजनों ने किया मंत्रमुग्ध

रायपुर। श्री विमलनाथ जैन मंदिर एवं श्री नाकोड़ा भैरव सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में हीरसुरी आराधना भवन में भव्य शक्रोत्सव महाअभिषेक समारोह का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस दिव्य अनुष्ठान का विधिवत संचालन अहमदाबाद से पधारे विधिकारक अखिलभाई के मंत्रोच्चार, संगीत और विशेष वैदिक विधियों के साथ किया गया।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भगवान का महाअभिषेक रहा, जिसमें 11 विशिष्ट द्रव्यों एवं नवरत्नों से प्रभु को अर्पित किया गया स्नान अत्यंत अलौकिक अनुभूति प्रदान करने वाला रहा। यह शक्रोत्सव उस ऐतिहासिक पूजा का प्रतीक है, जिसे भगवान इंद्र ने प्रभु के श्रवण कल्याणक से लेकर जन्म कल्याणक तक के मध्य काल में संपन्न किया था, जिसमें 1 करोड़ 80 लाख कलशों से प्रभु का पवित्र नदियों के जल से अभिषेक किया गया था। समारोह की शुरुआत छोटी बालिकाओं द्वारा पवित्र नदियों के जल से अभिषेक के साथ हुई। श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर प्रभु के दर्शन, पूजा और पुण्य लाभ अर्जित किया।

महाभक्ताम्बर स्तोत्र का पाठ

प्रत्येक दिन प्रातः सुप्रभात अभिषेक के साथ दिन का शुभारंभ होता है। सोमवार और गुरुवार को विशेष अभिषेक के पश्चात मुनि भगवंत के सान्निध्य में महाभक्ताम्बर स्तोत्र का पाठ किया जाता है। दोपहर 2 से 3 बजे तक साध्वी भगवंत एवं प्रातः 9 से 10 बजे तक मुनि भगवंत का प्रवचन होता है। प्रवचन में पूज्य पारदर्शी विजय मुनि जी ने ॐ शब्द के व्याकरणिक और आध्यात्मिक महत्व को सरल और बोधगम्य रूप में समझाया। उन्होंने बताया कि ॐ शब्द अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु इन पाँच पवित्र तत्वों का समन्वय है। कार्यक्रम के दौरान एक बाल धर्म शिविर का आयोजन भी किया गया, जिसमें बच्चों को धार्मिक संस्कारों की शिक्षा दी गई। इस श्रृंखला का अगला विशेष आयोजन 27 जुलाई को नाकोड़ा भैरवदेव महापूजन के रूप में प्रस्तावित है, जिसमें भी नगरवासियों की बड़ी भागीदारी अपेक्षित है।

संतों की संगत से दृष्टि में बदलाव संभव जो सृष्टि बदलने की बात करे, उनसे बचें

रायपुर। संत वही होते हैं, जो किसी व्यक्ति की दृष्टि बदल दें। श्री रामकथा की कड़ी में दूसरे दिन आचार्यश्री ने भगवान भोलेनाथ की शादी की तैयारी की कथा का वर्णन किया। प्रसंग में बताया कि सिद्ध संत जो बोल देते हैं, वह भविष्य में होकर रहता है। ऐसे कई सिद्ध संत हुए हैं, जिनकी वाणी सत्य हुई है। इसका जिक्र भी धर्मग्रंथों में मिलता है। संत मुनि नारद ने पर्वतराज हिमालय के घर जाकर माता पार्वती के लिए शिव के विवाह के बारे में बताया था। नारद मुनि एक संत हैं और उन्होंने राजा हिमाचल के यहां जैसा बताया, वैसा ही हुआ, इसलिए कहा जाता है कि जो दृष्टि बदल दे, वही संत है, जो सृष्टि बदलने की बात करे, ऐसे संतों का साथ उचित नहीं। यह बात समता कॉलोनी स्थित अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज के हाल में जारी रामकथा में संत शंभूशरण लाटा महाराज ने कही। इस प्रसंग को सुनकर श्रोता भावविभोर हो गए।

अंधकार से घिर जाता है व्यक्ति का जीवन

श्री रामकथा में आगे बताया कि जो भगवान की कथा में जाने के बाद भी ध्यान नहीं देते हैं। उनके आगे का जीवन अंधकार में रहता है। जैसे भगवान शंकर और माता सती ऋषि के यहां भगवान रामकथा सुनने तो गए, लेकिन माता सती का मन नहीं लगा और उनके मन में संशय आ गया। इस संशय के चलते माता सती भगवान राम की परीक्षा लेने के लिए पहुंच गईं। माता सती को पति भगवान भोलेनाथ ने त्याग दिया और माता सती को अपनी देह का त्याग करना पड़ा। इसलिए कथा में जाएं तो ध्यान से कथा को जरूर सुनें। रामकथा प्रचार समिति के अरुण अग्रवाल और कर्तव्य अग्रवाल ने बताया कि सावन के पहले सोमवार को भगवान शिव व माता पार्वती का विवाह होगा। इसके बाद भक्तों में प्रसादी का वितरण किया जाएगा। वहीं समिति ने आग्रह किया है कि श्रावण महीने में हो रही रामकथा का रसपान करने के लिए दोपहर 3 बजे से कॉलेज के ऑडिटोरियम में आएं। रामकथा में हनुमान प्रसाद अग्रवाल, नवल अग्रवाल, ईश्वर अग्रवाल, पवन अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, संदीप अग्रवाल आदि शामिल हुए।

मंच पर बिखेरा छत्तीसगढ़ी फैशन का जलवा डिशेज मेकिंग-खेलकूद में दिखाया हुनर

रायपुर। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय केंद्रीय महिला एवं युवा कार्यकारिणी के तत्वावधान में पुरखा के सुरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिला व युवा सदस्यों ने विविध पारंपरिक सांस्कृतिक गतिविधियों की शानदार प्रस्तुति से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह आयोजन रविवार को भोला कुर्मी बोर्डिंग भवन आजाद चौक में दोपहर 12 बजे से शुरू हुआ। महिला सदस्यों ने जहां एकल गायन, पाककला प्रतियोगिता, एकल एवं समूह नृत्य, छत्तीसगढ़ी प्रश्नोत्तरी, फैशन शो में तो वहीं काव्य गोष्ठी में युवा कार्यकारिणी के सदस्यों ने अपनी-अपनी रचनात्मक गतिविधियों से कार्यक्रम में रंग भरा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय केंद्रीय महिला के पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष कुर्मी क्षत्रिय केंद्रीय महिला एवं कुम्हारी नगरपालिका अध्यक्ष मीना वर्मा बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ चंद्रिका परगनिहा द्वारा प्रस्तुत कुर्मी गौरव गान से हुआ। इसके अलावा महामंत्री श्रद्धा नायक, आरती चंद्रवंशी, अर्चना वर्मा, नीलू वर्मा, हेमलता वर्मा, रेणुका वर्मा, कमला सिरमौर, युवा कार्यकारिणी से आलेख वर्मा, लोकेश वर्मा, संरक्षक भक्त भूषण चंद्रवंशी उपस्थित रहे।

फैशन शो में जान्हवी ने मारी बाजी

छत्तीसगढ़ी वेशभूषा में सज-संवरकर रैंप पर दर्जनों महिला प्रतिभागियों ने फैशन का जलवा बिखेरा। वहीं अपनी बेहतर पारंपरिक वेशभूषा, वॉक स्टाइल, सिक्स सेंस से जान्हवी ने फैशन शो का खिताब अपने नाम किया। साथ ही कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता, एकल व समूह गायन, नृत्य, कविता पाठ, छत्तीसगढ़ी जनऊला को खूब एंजॉय किया।

19 को जयंती पर भव्य आयोजन

छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय केंद्रीय महिला एवं युवा कार्यकारिणी सर्व कुर्मी समाज के तत्वावधान में डॉ. खूबचंद बघेल की 125वीं जयंती का भव्य आयोजन स्व. अनंतराम बरछिहा भवन नरदहा में आयोजित किया जा रहा है। इसमें समाज के 7 महापुरुषों की प्रतिमाओं का अनावरण और जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह रखा गया है।

छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय केंद्रीय महिला एवं युवा कार्यकारिणी के तत्वावधान में पुरखा के सुरता कार्यक्रम

अइरसा, चौसेला, गुलगुला भजिया का लिया स्वाद

पाककला प्रतियोगिता में कृषमी चंद्रवंशी ने अइरसा रोटी, अर्चना ने गुलगुला भजिया, चंद्रिका वर्मा ने चौसेला बनाकर प्रस्तुत किया। इस छत्तीसगढ़ी व्यंजनों की महक और स्वाद को प्रतियोगिता के जजेस महिला सदस्यों ने टेस्ट कर प्रथम, द्वितीय पुरस्कार के लिए प्रतिभागियों का नाम सूचीबद्ध किया। इसके बाद मुख्य अतिथि द्वारा विजेताओं का नाम घोषित कर उन्हें सम्मानित किया गया।

सिटी स्पोर्ट्स

मानसून लीग टेटे में अरिंदम, अर्जुन और समाया बने विजेता

रायपुर। राजधानी टेबल टेनिस संघ, जिला रायपुर द्वारा सप्रे शाला टेबल टेनिस हाल, रायपुर में आयोजित रायपुर जिला मानसून लीग टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2025 (सीनियर/जुनियर/कैडेट) में रोमांचक मुकाबले हुए। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के कोषाध्यक्ष सौरभ शुक्ला थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हीरा ग्रुप के जनसंपर्क अधिकारी पंकज शुक्ला ने की तथा विशेष अतिथि चार्टर्ड एकाउंटेंट दीपक जैन थे। मंच पर छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष प्रदीप जोशी, गिरिराज बागड़ी, राजधानी टेबल टेनिस संघ, जिला रायपुर के सचिव विनय बैसवाड़े एवं मुख्य निर्णायक अजीत बेनर्जी उपस्थित थे। प्रतियोगिता में बाकी खेले गये सीनियर पुरुष वर्ग, यूथ अंडर-17 (जूनियर) बालक वर्ग तथा यूथ अंडर-13 (कैडेट) बालिका वर्ग के अंतिम दौर के परिणाम में सीनियर पुरुष वर्ग-- विजेता - अरिंदम देबनाथ, उपविजेता - प्रणय चौहान 3-0 तृतीय-एम रविराज (इसमें टाई से स्थान निर्धारित हुआ), यूथ अंडर-17 (जूनियर) बालक वर्ग विजेता - अर्जुन मल्होत्रा, उपविजेता - आर्यन सिंह 3-1 तृतीय- सिद्धा धूपर यूथ अंडर--13 (कैडेट) बालिका वर्ग - -विजेता- समाया पांडे, उपविजेता - इसी मिश्रा 3-0 तृतीय - महवीन अंसारी रहे। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक अजीत बेनर्जी एवं सहायक निर्णायक गीता पंडित और पी.एन. मजूमदार थे। इस अवसर पर इस अवसर पर सुरेश सादीजा, प्रियंक पांडे,नितिन तिवारी, रसीद अंसारी, पुलकित यदु, आलोक पीटर एवं अन्य सदस्यगण, खिलाडीगण, पालकगण उपस्थित थे।

एशिया कप सॉफ्टबॉल में खेलेंगी छत्तीसगढ़ की बेटियां

रायपुर। एशिया कप सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप का आयोजन शियान, चाइना में 14 से 20 जुलाई तक किया जा रहा है। इसमें भाग लेने वाले भारतीय दल में बीजापुर की चंद्रकला तेलम एवं पामगढ़ की शालू डहरिया का चयन किया गया है तथा भारतीय टीम के कोच बीजापुर के सोपान कर्णेवार बनाए गए हैं। टूर्नामेंट की विजेता एवं उपविजेता टीम को वर्ल्ड कप सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने का मौका मिलेगा। भारतीय दल में चयन के पूर्व शालू डहरिया एवं चंद्रकला तेलम को कठिन परीक्षण से गुजरना पड़ा है। पहला चयन परीक्षण 2 से 3 फरवरी को आनंतपुर, आंध्र प्रदेश में आयोजित किया गया, उसके बाद 22 से 26 फरवरी तक नागपुर में आयोजित सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में भी खिलाड़ियों की स्क्रीनिंग की गई, तत्पश्चात 15 एवं 16 अप्रैल को श्रीनगर में अंतिम चयन परीक्षण आयोजित कर खिलाड़ियों को शॉर्ट लिस्ट किया गया। इसके बाद 3 से 10 जून तक इंदौर में स्पेशल कोचिंग कैंप का आयोजन हुआ तथा भारतीय दल का गठन किया गया। भारतीय दल को 20 से 25 जून श्रीनगर में तथा 7 से 12 जुलाई तक नई दिल्ली में विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। भारतीय दल ने 13 जुलाई की सुबह नई दिल्ली से शियान, चीन के लिए प्रस्थान किया है। टीम में शामिल शालू डहरिया ने 12 बार नेशनल सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप में भाग लिया है तथा चंद्रकला तेलम आठ बार नेशनल चैंपियनशिप में खेल चुकी है। सोपान कर्णेवार भी इसके पहले पिंगटन सिटी, चाइना में आयोजित अंडर–18 एशियन सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप में भारतीय टीम के कोच रह चुके हैं। शालू डहरिया को इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एक लाख सत्तर हजार रु की आर्थिक सहायता प्रदान की है तथा चंद्रकला तेलम एवं सोपान कर्णेवार की अंतरराष्ट्रीय भागीदारी को जिला प्रशासन बीजापुर द्वारा प्रायोजित किया गया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश सॉफ्टबॉल एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं जिला प्रशासन बीजापुर के प्रति आभार व्यक्त किया है तथा खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को उम्दा प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी है।

नितीश ने सीबीएसई ईस्ट ज़ोन तीरंदाजी में जीता ब्रॉन्ज मेडल

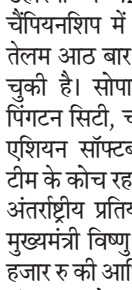

रायपुर। होली क्रॉस सीनियर सेकेंडरी स्कूल के कक्षा 10वीं के छात्र नितीश रत्नेश ने कोलकाता में 9 से 12 जुलाई तक आयोजित सीबीएसई ईस्ट जोन तीरंदाजी चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अंडर-17 बॉयज़ कैटेगरी के कंपाउंड राउंड में कांस्य पदक (ब्रॉन्ज मेडल) प्राप्त किया है। स्कूल की प्राचार्या डॉ सिस्टर क्लेरिटा डी'मेलो एवं खेल विभाग के प्रभारी दिवेंद्र कुमार दास साथ ही खेल शिक्षकों में विकास चंद्र मांझी एवं जयंती दास ने हर्ष जताया है।

डायबिटीज के बारे में कुछ बातें अच्छे से समझ गए तो दूर हो जाएगी परेशानी

डायबिटीज का जोखिम साल-दर-साल बढ़ता ही जा रहा, कम उम्र के लोग भी हो रहे शिकार

आईसीएमआर के साल 2023 के रिपोर्ट्स के अनुसार भारत में 10 करोड़ से ज्यादा लोग डायबिटीज के शिकार हैं वहीं 13 करोड़ से अधिक 'प्री-डायबिटिक' हैं यानी इन लोगों को भविष्य में डायबिटीज का खतरा अधिक हो सकता है। आइए डायबिटीज की समस्या से संबंधित कुछ जरूरी बातें जानते हैं। डायबिटीज एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है जिसका जोखिम साल-दर-साल बढ़ता ही जा रहा है। कुछ दशकों पहले तक इसे उम्र बढ़ने के साथ होने वाली बीमारी के रूप में जाना जाता था, हालांकि अब कम उम्र के लोग भी इसका शिकार होते जा रहे हैं। क्या आपको भी बार-बार प्यास लगती है और बार-बार पेशाब आता है? अगर हां, तो ये सिर्फ मामूली लक्षण नहीं हैं ये उस डायबिटीज के संकेत हो सकते हैं जो अंदर ही अंदर आपके शरीर को खोखला कर रही है।

डायबिटीज के बारे में कितना जानते हैं आप?

डायबिटीज एक मेटाबॉलिक (चयापचय संबंधी) बीमारी है जिसमें शरीर या तो इंसुलिन हार्मोन नहीं बना पाता या फिर बने हुए इंसुलिन का सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पाता है। इंसुलिन हार्मोन पैंक्रियास में बनता है और शुगर (ग्लूकोज) को कोशिकाओं के अंदर ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करने में मदद करता है। जब इंसुलिन की कमी या रेसिस्टेंस हो जाती है, तो खून में शुगर का स्तर लगातार बना रहता है, इसे हाई शुगर की समस्या कहा जाता है।

एक-दो नहीं चार प्रकार की होती है डायबिटीज

डायबिटीज का नाम सुनते ही सबसे पहला ख्याल टाइप-2 डायबिटीज का आता है। पर क्या आप जानते हैं डायबिटीज एक दो नहीं बल्कि चार प्रकार की होती है। टाइप-1 डायबिटीजः यह एक ऑटोइम्यून डिसऑर्डर है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पैंक्रियास की स्वस्थ कोशिकाओं पर हमला कर देती है जिससे इंसुलिन बनना बंद हो जाता है। इसमें रोजाना इंसुलिन इंजेक्शन लेने की जरूरत हो सकती है। टाइप 2 डायबिटीजः यह सबसे सामान्य प्रकार है। इसमें शरीर इंसुलिन बनाता तो है, लेकिन इसका ज्यादा असर नहीं होती है। जेस्टेशनल डायबिटीजः गर्भावस्था के दौरान कुछ महिलाओं में ब्लड शुगर बढ़ जाता है। इससे भविष्य में मां और बच्चे दोनों को टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

डायबिटीज 1.5 लाडाः लेटेंट ऑटोइम्यून डायबिटीज इन एडल्ट्स (एलएडीए) या टाइप 1.5 डायबिटीज में टाइप-1 और टाइप 2 दोनों तरह के डायबिटीज के लक्षण होते हैं।

डायबिटीज को कैसे पहचाना जाए?

डायबिटीज के शुरुआती लक्षण बहुत सामान्य हो सकते हैं और कई बार लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन समय रहते इन्हें पहचानना जरूरी है। इसमें बार-बार पेशाब आने, अत्यधिक प्यास लगने, अक्सर

थकान रहने, वजन घटने, धुंधला दिखने और त्वचा पर बार-बार संक्रमण होने या जख्म के देर से भरने जैसी समस्याएं देखी जाती रही हैं। इन्हें अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए।

डायबिटीज की जांच कैसे होती है?

आपको डायबिटीज है या नहीं, इसकी पुष्टि के लिए कुछ टेस्ट किए जाते हैं। इसमें फास्टिंग ब्लड शुगर और खाने के बाद शुगर की जांच की जाती है। फास्टिंग ब्लड शुगर रीडिंग 126 एमजी/डीएल या इससे अधिक वहीं खाने के दो घंटे बाद शुगर लेवल 200 एमजी/डीएल या उससे अधिक रहने को डायबिटीज की तरफ संकेत माना जाता है।

आपकी इन गलतियों से स्वाद और सेहत दोनों का होता है नुकसान

अगर आप रोज सब्जी बनाते हैं लेकिन स्वाद या पोषण में कुछ कमी लगती है तो हो सकता है आप अनजाने में खाना बनाते समय कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर रहे हों। इन गलतियों से न सिर्फ आपकी सब्जी का स्वाद बिगड़ता है, बल्कि सेहत पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

कच्चे तेल में छोंक

अक्सर लोग सब्जी बनाते समय तेल को अच्छे से पकाए बिना या ठंडे व कच्चे तेल में छोंक लगा देते हैं। इससे तेल की छार और कच्चापन बरकरार रहता है। ये सब्जी बनाते समय सबसे पहली और बड़ी गलती लोग कर जाते हैं। जब तेल अच्छे से गर्म हो जाए तो उसमें जीरा,

ज्यादा देर तक सब्जी पकाना

बहुत से लोग सब्जी को ढककर ज्यादा देर तक पकाते हैं ताकि वह पूरी तरह से गल जाए। लेकिन इससे सब्जियों के जरूरी विटामिन और मिनरल्स खत्म हो जाते हैं। इससे सब्जी ओवरकुक हो जाती है और उसका स्वाद भी कम हो जाता है। हल्की आंच पर सीमित समय तक पकाएं।

शुरुआत में नमक डालना

सब्जी बनाते समय गलत समय पर नमक डालने से भी स्वाद बिगड़ सकता है। शुरुआत में ही नमक डालने से सब्जी गल जाती है और उसका टेस्चर भी खराब हो जाता है। वहीं कुछ लोग देर में नमक डालते हैं, जिससे वह अच्छी तरह से घुल नहीं पाता। जब सब्जी आधी पक चुकी हो तो उसमें सही अनुपात में नमक डालें ताकि वह अच्छे से घुल भी जएं और स्वाद भी बढ़ जाए।

बार-बार सब्जी को चलाना

हर दो मिनट में सब्जी को चलाने से उसकी आकृति बिगड़ जाती है और सब्जी मसल जाती है। कम से कम बार हिलाएं, ताकि सब्जी अपनी शेप और स्वाद बनाए रखे। हालांकि ढककर पकाते न रहे, बीच-बीच में उसे चलाते रहें, लेकिन सीमित मात्रा में।

तेल ज्यादा डालना

आप मसाले, नमक आदि सभी कुछ का अनुपात बराबर रखते हैं लेकिन अगर आपने सब्जी में तेल ही ज्यादा डाल दिया हो तो स्वाद बिगड़ जाता है। अक्सर स्वाद बढ़ाने के चक्कर में लोग तेल की मात्रा ज्यादा कर देते हैं, जिससे कैलोरी इनटेक बढ़ता है और सब्जी भारी हो जाती है। एक से दो चम्मच तेल ही काफी होता है।

हर सब्जी में एक ही तरह के मसाले

सब्जी चाहे ग्रेवी वाली हो या ड्राई वेज, आलू की सब्जी हो या पनीर की सब्जी हो, कुछ लोग एक ही तरह के मसाले का उपयोग करते हैं।

पहली बार रखने जा रही हैं सावन सोमवार का व्रत, जानें नियम

सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है और इस दौरान पड़ने वाले सोमवार का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि सावन सोमवार का व्रत रखने से कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर मिलता है और विवाहित महिलाओं के सुखी वैवाहिक जीवन की कामना पूरी होती है। अगर आप पहली बार सावन सोमवार का व्रत रखने जा रही हैं, तो कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

इन नियमों का पालन

व्रत रखने से पहले स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें और भगवान शिव का ध्यान करते हुए व्रत का संकल्प लें। आप मन ही मन या हाथ में जल लेकर संकल्प कर सकती हैं कि आप पूरी श्रद्धा और निष्ठा के साथ व्रत का पालन करेंगी। व्रत के लिए आवश्यक पूजा सामग्री पहले से ही एकत्रित कर लें। इसमें भगवान शिव की मूर्ति या तस्वीर, बेलपत्र, धतूरा, भांग, सफेद चंदन, अक्षत, फूल, दूध, गंगाजल, दही, घी, शहद, शक्कर, धूप, दीप, फल और मिठाई शामिल हैं। पूजा स्थान को साफ करके भगवान शिव की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। सबसे पहले भगवान गणेश का ध्यान करें और फिर शिवजी को जल, दूध, दही, घी, शहद, शक्कर और गंगाजल से अभिषेक करें। इसके बाद उन्हें बेलपत्र, धतूरा, भांग, सफेद चंदन, अक्षत और फूल अर्पित करें। धूप-दीप जलाकर शिव चालीसा या शिव मंत्रों का जाप करें।

अच्छी सेहत के लिए रोज व्यायाम जरूरी, पर ये गलती पड़ेगी भारी

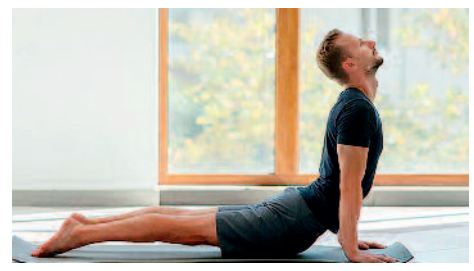

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए नियमित व्यायाम करने की सलाह दी जाती है। ये सिर्फ वजन कंट्रोल रखने के लिए ही नहीं, बल्कि ब्लड प्रेशर-शुगर की दिक्कत से बचाए रखने के लिए भी जरूरी है। क्या आप रोजाना वर्कआउट करते हैं, रोजाना जिम जाते हैं? अगर हां तो कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखें वरना आपको फायदे से कहीं ज्यादा नुकसान हो सकता है।

जब भी हम किसी लंबे सफर पर निकलते हैं, तो गाड़ी को स्टार्ट करने से पहले कुछ देर इंजन को गर्म करते हैं। ठीक वैसे ही, जब हम अपने शरीर को किसी भी कठिन शारीरिक गतिविधि यानी वर्कआउट के लिए तैयार करते हैं, तो उसे भी वार्मअप यानी हल्की-फुल्की एक्सरसाइज से तैयार करना जरूरी होता है। ये सिर्फ एक आदत नहीं बल्कि शरीर के लिए एक जरूरी प्रक्रिया है।वर्कआउट से पहले वार्मअप जरूर

करना चाहिए, इससे कई लाभ मिलते हैं। वार्मअप न करने से मांसपेशियां ठंडी बनी रहती हैं और उनमें खिचाव आने या चोट लगने का खतरा अधिक होता है।

वार्मअप होता क्या है?

वार्मअप का मतलब होता है, हल्की फिजिकल एक्टिविटी या स्ट्रेचिंग जिससे शरीर को धीरे-धीरे उस स्थिति में लाया जा सके जिसमें वह तेज एक्सरसाइज या वर्कआउट को झेल सके। इसमें 5-10 मिनट की हल्की एक्सरसाइज जैसे जॉगिंग, स्ट्रेचिंग, जंपिंग जैक्स या आर्म रोटेशन शामिल हो सकते हैं। पर्याप्त वार्मअप करने से मांसपेशियां गरम और लचीली हो जाती है, जिससे चोट लगने की आशंका काफी कम रहती है। इसका दूसरा बड़ा फायदा यह भी है कि मांसपेशियों में रक्त संचार तेज हो जाता है, जिससे मांसपेशियों को ऑक्सीजन और पोषक तत्व अधिक मिलते हैं। इससे वे बेहतर तरीके से काम कर पाती हैं।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. अमित अग्रवाल कहते हैं, वार्मअप धीरे-धीरे शुरू करें और फिर धीरे-धीरे इसकी तीव्रता बढ़ाएं। इस दौरान पूरे शरीर का उपयोग करें। यदि आपको कोई दर्द या परेशानी महसूस हो तो वार्मअप न करें और आराम करें।वर्कआउट से पहले वार्मअप करना आपके लिए कई प्रकार से लाभदायक हो सकता है। नेशनल एकेडमी ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन के अनुसार, वार्मअप मसल्स को धीरे-धीरे खिंचाव के लिए तैयार करता है, जिससे चोट लगने का खतरा कम हो जाता है।

इन फायदों के बारे में भी जानिए

व्यायाम से अधिकतम लाभ प्राप्त करने और व्यायाम के दौरान किसी प्रकार की चोट या खिंचाव से बचाव के लिए तो वार्मअप जरूरी है ही, साथ ही इस एक आदत के और भी कई लाभ हो सकते हैं। वार्मअप से शरीर में रक्त प्रवाह बढ़ता है, जिससे मांसपेशियों को अधिक ऑक्सीजन मिलती है। इससे परफॉर्मेंस बेहतर होती है। अचानक वर्कआउट शुरू करने से हार्ट रेट तेजी से बढ़ सकता है, लेकिन वार्मअप इसे धीरे-धीरे और सुरक्षित तरीके से बढ़ाता है। वार्मअप से जोड़ों में लचीलापन आता है और वे पूरी गति से हिलने के लिए तैयार होते हैं, जिससे एक्सरसाइज प्रभावी होती है। इस पर ध्यान देना जरूरी है।

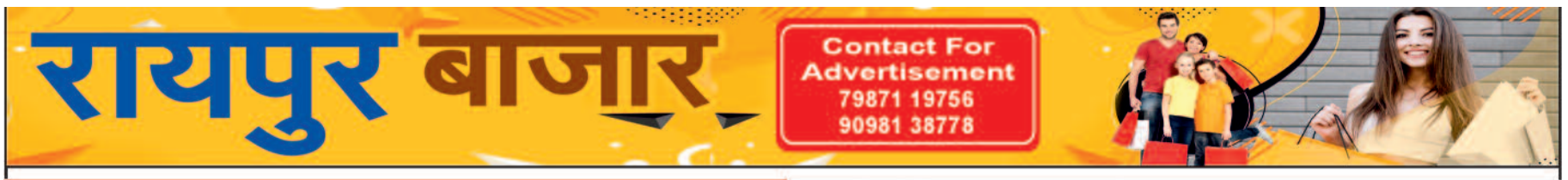

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'सुपरमैन' और 'एफ-1' के सीन पर सेंसर बोर्ड ने लगाए कट, फैंस ने कर दिया ट्रोल

हाल ही में हॉलीवुड फिल्म 'सुपरमैन' भारत में भी रिलीज हुई। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छी कमाई कर रही है। मगर इस फिल्म में किसिंग सीन को हटाने जाने से कुछ फैंस नाराज हैं। साथ ही ब्रैड पिट की फिल्म 'एफ-1' में जो बदल करवाए गए, उन्हें लेकर यूजर ने सेंसर बोर्ड को ट्रोल किया।

हॉलीवुड फिल्मों को भारतीय दर्शक काफी पसंद करते हैं। हालिया रिलीज फिल्म 'सुपरमैन' को भी दर्शकों का प्यार मिला। मगर इस फिल्म से 33 सेकंड का किसिंग सीन हटाए जाने से फैंस, सोशल मीडिया यूजर सेंसर बोर्ड पर नाराज हैं। यूजर्स ने सेंसर बोर्ड के दोहरे रवैया पर सवाल किए हैं? पिछले दिनों भी 'एफ-1' फिल्म को लेकर भी सेंसर बोर्ड की ट्रोलिंग हो चुकी है।

हॉलीवुड फिल्म 'सुपरमैन' को जेम्स गन ने डायरेक्ट किया है। भारत में इस फिल्म में से 33 सेकंड का किसिंग सीन हटा दिया गया। यह सीन लीड कैरेक्टर सुपरमैन (डेविड कोरेंसवेट) और लोइस लेन (रेचल ब्रोसनाहन) पर फिल्माया गया है। फिल्म में इनके बीच रोमांटिक रिलेशन दिखाया जाता है। भारतीय सेंसर बोर्ड ने इस फिल्म को यू/ए सर्टिफिकेट दिया और इसके किसिंग सीन को हटा दिया। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर सेंसर बोर्ड को ट्रोल किया जाने लगा। लोगों ने सेंसर बोर्ड के नियमों पर सवाल उठाए। जहां तक सेंसर बोर्ड का सवाल है तो उन्होंने फिल्म को यू/ए 13+ रेटिंग दी है। पैरेंट्स के गाइडेंस में इस फिल्म को 13 साल के बच्चे भी देख रहे हैं। यही कारण है कि फिल्म से किसिंग सीन हटाया गया है।

टॉलीवुड

श्रुति ने अपने पिता कमल हासन से जुड़ी बातें की शेयर, बताई धार्मिकता को लेकर सोच

श्रुति हासन वो अभिनेत्री हैं जो अपनी पर्सनल लाइफ से लेकर अपनी लव लाइफ और अपने अतीत को लेकर खुलकर बात करती हैं। वो हर मुद्दे पर अपनी राय रखने से हिचकती नहीं हैं। अब श्रुति हासन ने अपने बचपन को लेकर बात की है और बताया है कि वो एक नास्तिक परिवार से आती हैं। जहां भगवान और पूजा में ज्यादा भरोसा नहीं रखा जाता।

यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया के साथ पॉडकास्ट में श्रुति हासन ने कई मुद्दों पर अच्छे से बात की। अपने बचपन के दिनों के बारे में बात करते हुए श्रुति ने अपने बचपन को थोड़ा अव्यवस्थित और अराजक बताया। उन्होंने कहा, "हम एक नास्तिक घर में पले-बढ़े। एक गैर-धार्मिक घर में। मेरे पापा को यह बात बुरी लगती है जब मैं कहती हूं, लेकिन हमारे घर में ईश्वर नहीं था। वो सब कुछ नहीं जो दूसरे घरों में होता है। धर्म और ईश्वर को मानने जैसा तो कुछ भी नहीं था। कहीं न कहीं, मेरे बचपन के मन में मैं जानती थी कि कला ही ईश्वर है। हफ्ते का हर दिन कला के लिए कुछ करना होता था और कला को ही समर्पित होता था।"अभिनेत्री ने आगे कमल हासन के बारे में जिक्र करते हुए बताया कि पापा ने मुझे बिना किसी दखलअंदाजी के अपनी मान्यताओं को समझने की आजादी दी। हां, मैं विक्का धर्म का पालन करती हूं, जिसमें जादू-टोना शामिल है। हालांकि, पापा को ज्योतिष शब्द सुनना भी पसंद नहीं है। अगर आप मेरे पापा से ज्योतिष के बारे में बात करते, तो वो कहते बाहर निकलो। वो बहुत व्यावहारिक हैं। वो लोगों को डॉक्टर्स से भी बेहतर परख सकते हैं क्योंकि वे चार साल की उम्र से एक्टिंग कर रहे हैं और मेरी मां भी। वो लोगों को पढ़ने वाले बन गए हैं, डॉक्टरों और मनोवैज्ञानिकों से भी बेहतर। यह सचमुच एक्टर के रूप में उनका स्वभाव सा है। एक इंसान के रूप में वो ज्यादा सहज हो गए हैं। अब उम्र के साथ वो नरम पड़ गए हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रुति हासन रजनीकांत की फिल्म 'कुली' में नजर आएंगी।

भोजपुरी

'तड़पाओगे... तड़पा लो', रानी ने बाग में मटकाई कमरिया तो झूम उठी फिजाएं

भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने सोशल मीडिया पर एक डांस वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह 'तड़पाओगे तड़पा लो' गाने पर गुलाबी साड़ी में शानदार अदाएं दिखा रही हैं। उनके इस वीडियो को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं और कमेंट सेक्शन में उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने इंस्टाग्राम पर अपने डांस का वीडियो शेयर किया, जिसमें वह 'तड़पाओगे तड़पा लो' गाने पर डांस करती दिख रही हैं। वीडियो में रानी ने गुलाबी रंग की सिंपल साड़ी पहनी हुई है, इसी के साथ ही उन्होंने हाथों में लाल-रंग की चूड़ी पहनी है। गाने के बोल के साथ शानदार एक्सप्रेशन के साथ वह ठुमका लगा रही हैं और अपने चाहनेवालों के दिलों पर छूरियां चला रही हैं।

एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा, 'मैं अपने पसंदीदा इंसान से प्यार का इजहार बेझिझकर तरीके से करती हूं।' फैंस को उनका ये खास अंदाज काफी पसंद आ रहा है, रानी के फैंस कमेंट सेक्शन पर उन्हें 'हार्ट', 'फायर' और 'स्माइली' इमोजी शेयर कर रहे हैं। बता दें कि यह गाना 'तड़पोगे तड़पा लो' साल 1957 में रिलीज हुई फिल्म 'बरखा' का है। इस गाने को स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने गाया है। वहीं गाने के बोल राजिंदर कृष्ण ने लिखे हैं।

फैशन शो पर सवाल

> नए दौर में फैशन शो के भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आज दौर रिसाइकिल का है, जिसे फैशन की भाषा में 'फ़ंडामेंटल रीडिज़ाइन' कहा जाता है। ऐसे में हर साल मौसम के हिसाब के नए कलेक्शन पेश करने वाले डिजाइनर भी अपने काम की समीक्षा कर रहे हैं। इन वजहों से सवाल उठ रहा है कि क्या इस डिजीटल दौर में फैशन शो की प्रासंगिकता कायम रहेगी..?

मानसून सीजन में सनस्क्रीन के इस्तेमाल को लेकर रहें सचेत

हर किसी को अपनी त्वचा को बचाने के लिए सनस्क्रीन लगाना पसंद होता है। ऐसे में लोग अपनी त्वचा के हिसाब से सनस्क्रीन को खरीदते हैं। लेकिन क्या इसे बारिश के मौसम में लगाना चाहिए। जब भी त्वचा को प्रोटेक्ट करने की बात आती है, तो हम सबसे पहले चेहरे के लिए सनस्क्रीन को खरीदते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि जब महिलाएं बाहर किसी काम से निकलती हैं, तो बदलता मौसम उनकी त्वचा को जरूर नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में चेहरा डल दिखने लगता है। इसके लिए सनस्क्रीन लगाना जरूरी है। लेकिन क्या इस क्रीम को बारिश के मौसम में भी लगाना सही है। आर्टिकल में जानते हैं क्या सनस्क्रीन को बारिश के मौसम में भी लगाया जा सकता है।

चेहरे पर सनस्क्रीन क्यों लगाते हैं

चेहरे पर सनस्क्रीन बाहर के बदलते मौसम और गंदगी से चेहरे को बचाने के लिए लगाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि तेज धूप और गर्मी का कुछ नहीं पता होता है। ऐसे में सबसे ज्यादा टैनिंग का असर चेहरे पर नजर आता है। इसलिए जब भी लोग बाहर निकलते हैं, तो अपने बैग में सनस्क्रीन जरूर रखते हैं। इसे लगाने से उनकी स्किन प्रोटेक्ट रहती है।

क्या मानसून में सनस्क्रीन लगाना चाहिए

बारिश के मौसम में भी जिस तरह की धूप निकलती है। इससे हमारी स्किन टैन होती है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने स्किन टाइप के हिसाब से सनस्क्रीन को खरीदें। इससे आपकी त्वचा प्रोटेक्ट रहेगी। साथ ही, धूप की किरणों से होने वाली टैनिंग भी नहीं होगी। आप चाहें तो एक्सपर्ट राय लेकर अपने लिए सनस्क्रीन को खरीद सकते हैं।

सनस्क्रीन को चेहरे पर कैसे लगाएं

सनस्क्रीन को आप मेकअप करने से पहले चेहरे पर लगाएं। इसे लगाने के बाद चेहरे की मसाज करें, ताकि सनस्क्रीन स्किन के अंदर तक जाए। आप चेहरे पर सनस्क्रीन दिन में दो बार लगाएं, ताकि आपकी स्किन प्रोटेक्ट रहे। सनस्क्रीन आप क्रीम या स्टीक फॉर्म में लेकर इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।सनस्क्रीन के साथ किसी और क्रीम को तुरंत न लगाएं। सनस्क्रीन का इस्तेमाल आप हर मौसम में जरूर करें। इससे आपकी स्किन प्रोटेक्ट रहेगी। साथ ही, आपको स्किन से जुड़ी समस्याएं भी कम होंगी। इसके लिए आप एक बार अपने डॉक्टर से सलाह भी ले सकते हैं, ताकि आपकी स्किन पर सनस्क्रीन सही बैठे।

अनारकली सूट अपनाएंगी तो खूबसूरती में लगेंगे चार चांद

आपके लिए खूबसूरत अनारकली सूट के खास डिजाइन बाजार में आ गए हैं, जिन्हें पहनकर आप न सिर्फ अपनी खूबसूरती को बढ़ा सकेंगी, बल्कि इस साल सावन सोमवार को यादगार भी बना सकती हैं।

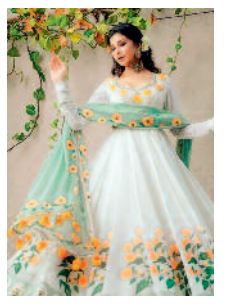

सावन का महीना शुरू हो गया है। इस महीने में आने वाले सोमवार पर अधिकतर महिलाएं श्रृंगार कर भगवान शिव की पूजा आराधना करती हैं। ऐसे में अगर आप भी सावन महीने में पड़ने वाले सोमवार के दिन अपने लुक से घर में मौजूद सभी लोगों को खुश कर सकती हैं।

ऑरेंज रफल अनारकली सूट

इस साल सावन में आने वाले सोमवार पर आप अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं, तो इस खूबसूरत ऑरेंज रफल अनारकली सूट को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के सूट को आप बाजार से कपड़ा लेकर अपनी साइज के हिसाब से टेलर से बनवा सकती हैं या आप इसे ऑनलाइन भी खरीद सकती हैं। इस सूट के साथ आप दुपट्टा भी शामिल कर सकती हैं। अपने लुक को गॉर्जियस बनाने के लिए आप इस सूट के साथ मैचिंग एक्सेसरीज भी शामिल कर सकती हैं। यह आपके लुक को कम्पलीट करने में मदद करेंगी।

मेहंदी कलर अनारकली गाउन

इस साल सावन सोमवार के दिन आप अपने लुक को खास बनाने के लिए इस खूबसूरतमेहंदी कलर अनारकली गाउन को भी ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के सूट आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देंगे। आप इन्हें ऑनलाइन खरीद सकती हैं या बाजार से कपड़ा लेकर टेलर से बनवा भी सकती हैं। आप दुपट्टा भी रेडीमेड खरीद सकती हैं। यह आपके लुक को गॉर्जियस बनाने में मदद करेगा। यही नहीं आप चाहें तो अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाने के लिए इस सूट के साथ मेकअप और एक्सेसरीज भी शामिल कर सकती हैं।

व्हाइट कलर ऑर्गेंजा अनारकली सूट

अगर आप सावन सोमवार के दिन किसी भी शिवालय में जाने वाली हैं, तो इस दिन अपनी खूबसूरती को बढ़ाने के लिए आप एक जैसे कपडे पहनने के बजाय इस तरह का खूबसूरत अनारकली सूट पहन सकती हैं।

मानसून में ऑयली स्किन की करें केयर

मानसून सीजन में ऑयली स्किन वाली महिलाएं अपनी त्वचा की देखभाल के लिए इस आर्टिकल में बताई गई टिप्स को फॉलो कर सकती हैं। इन टिप्स को अपनाने से जहां त्वचा से जुड़ी समस्याएं कम होंगी, वहीं स्किन का ग्लो भी बना रहेगा।

मानसून का मौसम ऑयली स्किन वाली महिलाओं के लिए बड़ी चुनौती लेकर आता है। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर इस मौसम में ऑयली स्किन की सही तरह से केयर न की जाए, तो स्किन से जुड़ी कई सारी समस्याएं पैदा हो जाती हैं। साथ ही, स्किन का ग्लो भी कम हो जाता है।

गुनगुने पानी से करें चेहरा साफ

स्किन का ग्लो बना रहे इसके लिए आप चेहरे को साफ करने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। गुनगुने पानी से चेहरे को साफ करने से त्वचा के एक्स्ट्रा ऑयल को साफ करने में मदद मिलेगी, साथ ही, स्किन इन्फेक्शन की समस्या को भी कम करने में मदद करेगा। चेहरे को आप गुनगुने पानी से सुबह और रात को सोने से पहले धोएं। साथ ही, चेहरे को क्लीन करने के लिए आप फेस वॉश का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

हफ्ते में एक दिन करें स्क्रब

चेहरे की डेड स्किन को साफ करने के लिए हफ्ते में 1-2 दिन स्क्रब का इस्तेमाल करें। स्क्रब की मदद से जहां डेड स्किन साफ होगी, तो वहीं स्किन पर ग्लो भी आएगा, साथ ही, स्किन सॉफ्ट भी नजर आएगी। लेकिन, स्क्रब का इस्तेमाल करने से पहले एक बार आप किसी एक्सपर्ट की राय जरूर लें।

हल्का मॉइस्चराइजर

स्किन से जुड़ी समस्याओं को कम करने के लिए स्किन को पोषण देना, साथ ही, हाइड्रेटेड रखना जरूरी है। इसके लिए मॉइस्चराइजर का जरूर इस्तेमाल करें। लेकिन, ऑयली स्किन होने पर आप हल्के मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें ताकि त्वचा चिपचिपी न हो।

बस एक आलू से ठीक हो सकती हैं फटी एड़ियां, 10 दिनों तक इस तरह करें इस्तेमाल

एक आलू आपके पैरों की सुंदरता बरकरार रखने में मदद कर सकता है। जी हां, इस लेख में हम आपको बताएंगे कि आप फटी एड़ियों को और रूखे पैरों को एक आलू से किस तरह हील कर सकती हैं। आपकी फटी एड़ियों को ठीक करने में भी आलू मदद कर सकता है। आलू में ऐसे गुण होते हैं जो त्वचा को नरम और हाइड्रेटेड रखने में सहायक होते हैं। इस लेख में आप जानेंगी कि कैसे आप केवल एक आलू का उपयोग करके अपनी फटी एड़ियों को 10 दिनों में ठीक कर सकते हैं।

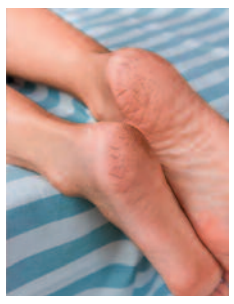

आलू कैसे करता है काम?

आलू में मौजूद पोषक तत्व और इसका स्टार्च फटी एड़ियों के लिए एक बढ़िया उपचार बन जाता है। आलू में प्राकृतिक रूप से मॉइश्चराइजिंग गुण होते हैं जो रूखी और फटी त्वचा को नमी प्रदान करते हैं। इसमें मौजूद विटामिन-सी कोलेजन के उत्पादन को बढ़ावा देता है, जो त्वचा की इलास्टिसिटी और मरम्मत के लिए महत्वपूर्ण है। आलू में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं, जो फटी एड़ियों में होने वाली सूजन और दर्द को कम करने में सहायक हो सकते हैं। जब आप आलू को अपनी एड़ियों पर रगड़ते हैं, तो इसके रस में मौजूद पोषक तत्व सीधे त्वचा में अब्जॉर्ब होते हैं, जिससे त्वचा मुलायम हो सकती है।

इस्तेमाल करने का तरीका:

सबसे पहले अपने पैरों को गुनगुने पानी में लगभग 10-15 मिनट के लिए भिगो दें। आप पानी में थोड़ा नमक या एप्सम सॉल्ट भी मिला सकते हैं। इससे त्वचा नरम होगी और डेड स्किन सेल्स ढीली पड़ जाएंगी। पैरों को पानी से निकालकर, फुट स्क्रबर का उपयोग करके धीरे-धीरे डेड स्किन को हटा दें। एक आलू लें और उसे अच्छी तरह धो लें। इसे छीलने की जरूरत नहीं है। आलू को दो हिस्सों में काट लें। आलू के एक हिस्से को अपनी फटी एड़ियों पर धीरे-धीरे रगड़ें। इस प्रक्रिया को लगभग 5-7 मिनट तक रखें।

कार्नर न्यूज

हेल्दी हेयर के लिए मौजूद है कई विकल्प

बालों को सेहतमंद बनाए रखना अब हुआ आसान, खुद टेस्ट कर सकते हैं अपनी हेयर इलास्टिसिटी

हेल्दी हेयर पाना क्या वाकई कठिन है? असल में इतना मुश्किल नहीं है। लेकिन प्रदूषण, धूल-धूप और धुएं की वजह से बालों में कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। ये समस्याएं ही हेयर केयर के आसान से काम को मुश्किल बना देती हैं। कई बार लोगों को हेयर केयर के टेक्निकल शब्दों की भी जानकारी नहीं होती है। हेयर केयर के बारे में पढ़ने वाले लोग अक्सर एक शब्द हेयर इलास्टिसिटी से खास कन्फ्यूज होते हैं। जबकि, इस शब्द का जिक्र अक्सर आता रहता है।

हेयर इलास्टिसिटी की परिभाषा और महत्व

सीधे शब्दों में कहें, तो हेयर इलास्टिसिटी का मतलब बालों का लचीलापन होता है। किसी इंसान के बालों का लोच इस बात को दर्शाता है कि अगर किसी बाल को पकड़कर खींचा जाए तो सामान्य अवस्था में लौटने से पहले उस रेशे को किस हद तक खींचा जा सकता है।

यही आपके बालों के घुंघरालेपन, बॉडी और बाउंस के पीछे का कारण

भी होता है। ये आपकी हेयर स्टाइल पर भी असर डालता है। अगर आप लंबे और स्टाइलिश बाल रखना चाहते हैं तो उसके लिए बालों का लचीला होना पहली शर्त है। आमतौर पर, आपके बालों का स्वास्थ्य की लोच के आधार पर निर्धारित किया जाता है। अधिक लोच या हाई इलास्टिसिटी वाले बालों को नरम, हाइड्रेटेड और प्रबंधन करने में आसान होने का श्रेय दिया जाता है। दूसरी ओर, कम लोच वाले बाल कमजोर और पतले होते हैं। इनसे कोई भी हेयर स्टाइल बनाना मुश्किल होता है। इससे बालों के टूटने का खतरा भी सबसे ज्यादा होता है।

बालों के लचीलेपन को क्या प्रभावित करता है?

इस उत्तर को ठीक से समझने के लिए, पहले अपने बालों की संरचना को समझना महत्वपूर्ण है। इसमें दो भाग होते हैं - क्यूटिकल कोर्टेक्स कोर्टेक्स कई केराटिन प्रोटीन से बना होता है। ये पानी के हाई कंटेंट के ग्रिड के भीतर मौजूद होते हैं। यह बालों की प्राकृतिक लोच में प्रमुख भूमिका निभाता है। इस प्रोटीन संरचना के साथ कई इंटरैक्शन और बॉन्ड होते हैं, और इन बॉन्ड के कमजोर होने से आपके बालों की लोच प्रभावित हो सकती है। दो प्रमुख बॉन्ड इस प्रकार हैं:

हाइड्रोजन बॉन्ड्स

हाइड्रोजन बॉन्ड वो फिजिकल बॉन्ड हैं जो, जलीय हाइड्रोजन, ऑक्सीजन परमाणुओं और अमीनो एसिड नाइट्रोजन के बीच बनाए गए हैं। ये बॉन्ड बहुत ज्यादा कमजोर होते हैं और मजबूती को बरकरार रहने के लिए पर्याप्त नमी बनाए रखने की आवश्यकता होती है।

जब आपके बाल के रेशों में पर्याप्त रूप से नमी नहीं होती है तो, ये बॉन्ड कम हो जाते हैं, जिससे आपके बाल अपनी लोच या लचीलापन खो देते हैं।

सिस्टिन बॉन्ड्स

सिस्टिन बॉन्ड को डाईसल्फाइड बॉन्ड के रूप में भी जाना जाता है। ये रासायनिक बॉन्ड आपके कोर्टेक्स प्रोटीन स्ट्रैंड पर विभिन्न अमीनो एसिड के बीच एक लिंक बनाकर आपके बालों को लचीलापन देते हैं।